कोटद्वार, शनिवार
21 फरवरी 2026
वर्षः 48
अंकः 268 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

पालड़ीछीना में मादा गुलदार पिंजरे में कैद

बागेश्वर। बागेश्वर वन रेंज क्षेत्र के अंतर्गत पालड़ीछीना में शुक्रवार सुबह एक मादा गुलदार पिंजरे में कैद हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गुलदार को सुरक्षित रेंज कार्यालय लाया गया। यहां उसका चिकित्सीय परीक्षण कराया गया।

स्वस्थ पाए जाने पर उसे दूरस्थ प्राकृतिक आवास में छोड़ा जाएगा। बीते 15 दिनों में जिले में यह दूसरा गुलदार पकड़ा गया है। इन दिनों जिले में गुलदारों की सक्रियता बढ़ने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। क्षेत्रवासियों की मांग पर वन विभाग ने एक सप्ताह पूर्व पालड़ीछीना क्षेत्र में पिंजरा लगाया था।

उत्तराखंड बोर्ड की परीक्षा कल से, तैयारी पूरी

देहरादून। उत्तराखंड बोर्ड की दसवीं और बारहवीं परीक्षा की तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं।

बारहवीं कक्षा के छात्र शनिवार को पहली मुख्य परीक्षा देंगे। मुख्य शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार ढोंडियाल ने बताया कि परीक्षा केंद्रों में सभी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी हैं।

धमकी के बाद हाई अलर्ट, विशेष सुरक्षा ऑडिट टीम बनेगी

हल्द्वानी। न्यायालयों को बम से उड़ाने की लगातार मिल रही धमकियों के बीच सुरक्षा को लेकर अफसर अलर्ट हो गए हैं। शुक्रवार को अफसरों की उच्च स्तरीय संयुक्त टीम ने हल्द्वानी न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसमें सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष सुरक्षा ऑडिट टीम का गठन किए जाने का निर्णय लिया गया।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रशांत जोशी, जिला मजिस्ट्रेट ललित मोहन रयाल, एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी, अपर जिला जज सुजीत कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रवि प्रकाश, एडीएम विवेक राय, एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कमियों की समीक्षा की। बैठक में न्यायालय परिसर की सुरक्षा को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। मैनपावर की कमी, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय जैसे मुद्दों पर मंथन किया गया। सभी ने निर्णय लिया गया कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए एक विशेष सुरक्षा ऑडिट टीम गठित की जाएगी। इसकी अध्यक्षता एसपी सिटी हल्द्वानी करेंगे। इसमें न्यायालय परिसर के नामित प्राधिकारी, अभिसूचना इकाई के अधिकारी, स्थानीय थाना पुलिस, प्रतिसार निरीक्षक, पुलिस लाइन को शामिल किया जाएगा।

निर्माता–निर्देशक रामानंद सागर के बेटे की अस्थियां गंगा में विसर्जित

हरिद्वार। प्रसिद्ध धारावाहिक रामायण के निर्देशक और निर्माता रामानंद सागर के बेटे आनंद सागर की अस्थियां आज गंगा में विसर्जित की गई। इससे पहले पोते शक्ति सागर ने कर्मकांड के लिए पूजा–अर्चना की। बता दें कि 13 फरवरी को आनंद सागर का मुंबई में निधन हो गया था। शुक्रवार को परिवार के लोग अस्थियां लेकर हरिद्वार पहुंचे। जहां हरकी पैड़ी पर तीर्थ पुरोहित संजय पटवर की ओर से आनंद सागर के बेटे शक्ति सागर से कर्मकांड के लिए पूजा–अर्चना कराई। विधि–विधिवत पूजा–अर्चना करने के बाद शक्ति सागर और परिवार के लोगों की ओर से अस्थियां गंगा में प्रवाहित कर दी गईं। कर्मकांड करने के बाद परिवार वापस मुंबई लौट गया।

हेली सेवा पटरी पर लौटी, यात्रियों को राहत

पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ में दो दिन के बाद हेली सेवा पटरी पर लौट आई है। इससे हवाई सेवा से जुड़े यात्रियों ने राहत की सांस ली है। शुक्रवार को हल्द्वानी से तय समय में हेलीकॉप्टर यात्रियों को लेकर मुनस्यारी पहुंचा। हल्द्वानी–पिथौरागढ़ और पिथौरागढ़–मुनस्यारी के बीच भी हेली ने उड़ान भरी। बता दें कि दिल्ली से नोटम जारी होने से बीते बुधवार से यहां हेली सेवा बाधित थी।

जनसहभागिता से तैयार होगा जनोन्मुखी बजट, सुझावों को मिलेगा नीतियों में स्थान:धामी

जनसहभागिता से तैयार होगा जनता का बजट, रांसी में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में व्यापक मंथन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद पौड़ी के रांसी स्थित बहुउद्देश्यीय भवन में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसा जनहितकारी बजट तैयार करना है, जो प्रदेश की जमीनी आवश्यकताओं, क्षेत्रीय विशेषताओं और जनअपेक्षाओं के अनुरूप हो। कहा कि बजट केवल आय-व्यय का दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित उत्तराखण्ड के निर्माण का रोडमैप है, जिसमें प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कहा कि बजट निर्माण की प्रक्रिया को पारदर्शी, सहभागी और जनोन्मुखी बनाने का संकल्प लिया है। सीमांत क्षेत्रों सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर संवाद कर सुझाव प्राप्त किए जा रहे हैं, ताकि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

शुक्रवार को मंडल मुख्यालय पहुंचने पर मुख्यमंत्री का जोर शोर से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए जनप्रतिनिधियों, कृषकों, उद्यमियों, व्यापारियों, महिला समूहों, पर्यटन व्यवसायियों, मत्स्य पालकों, कृषि वैज्ञानिकों, स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों ने सहभागिता करते हुए आगामी बजट के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि समाज के प्रत्येक वर्ग जैसे पर्यटन व्यवसायियों, व्यापारियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, किसानों और उद्यमियों की अपेक्षाएं और आवश्यकताएं बजट में समुचित रूप से परिलक्षित हों। उन्होंने कहा कि इस संवाद के दौरान अनेक व्यावहारिक और दूरदर्शी सुझाव प्राप्त हुए हैं, जो राज्य के विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट पूर्व संवाद के दौरान प्राप्त सभी सुझावों का गंभीरता से परीक्षण कर उन्हें आगामी बजट और नीतिगत निर्णयों में यथासंभव शामिल किया जाएगा। कहा कि सरकार का लक्ष्य

ऐसा बजट प्रस्तुत करना है, जो आकार में व्यापक, प्रभाव में ठोस और पूरी तरह जनहित पर केंद्रित हो, ताकि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहभागिता से तैयार होने वाला यह बजट राज्य की विकास यात्रा को और अधिक गति प्रदान करते हुए समृद्ध और सशक्त उत्तराखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मौके पर जिला पंचायत पौड़ी अध्यक्षा रचना बुटोला, मेयर नगर निगम श्रीनगर आरती भंडारी, ऋषिकेश शंभू पासवान, कोटद्वार शैलेन्द्र रावत, रुड़की अनीता देवी अग्रवाल, नगर पालिकाध्यक्ष पौड़ी हिमानी नेगी, आयुक्त गढ़वाल/सचिव उद्योग विनय शंकर पांडे, पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप, संयुक्त सचिव सुरेन्द्र सिंह रावत, आयुक्त ग्राम विकास अनुराधा पाल, अपर सचिव डॉ. आनंद श्रीवास्तव, डॉ. सौरभ गहरवार, अभिषेक रोहिला, वित्त सचिव दिलीप जावलकर, जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, जिलाध्यक्ष भाजपा कमल किशोर रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कृषक, उद्यमी, जनप्रतिनिधि तथा हितधारक मौजूद रहे। बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम का संचालन अपर सचिव मनमोहन मैनाली ने किया।

जनअपेक्षाओं पर हुआ सीधा संवाद

जनअपेक्षाओं के अनुरूप होगा आगामी बजट

बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम में स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि जनसहभागिता के आधार पर तैयार होने वाला बजट ही प्रदेश के समग्र विकास की नीव बनेगा। उन्होंने पर्वतीय क्षेत्रों की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पर्यटन, कृषि, लघु उद्योग एवं आधारभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आगामी बजट जनअपेक्षाओं के अनुरूप होगा और पौड़ी सहित पूरे प्रदेश के संतुलित विकास को नई दिशा देगा।

संवाद के दौरान ग्रामीण विकास को गति देने के लिए अनुदान में वृद्धि, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था सुदृढ़ करने, सीवर लाइन एवं शौचालय निर्माण, पंचायतों को सशक्त बनाने, बंजर भूमि के उत्पादक उपयोग तथा ग्राम स्तर पर सोलर प्लांट संचालन जैसे सुझाव प्राप्त हुए। शहरी क्षेत्रों के लिए नगर निकायों के संसाधन बढ़ाने, सोलर सिटी की अवधारणा को बढ़ावा देने, पार्किंग व सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा शहरी आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण पर बल दिया गया। कृषि एवं उद्यान क्षेत्र में पर्वतीय कृषि को प्रोत्साहन, बागवानी एवं उच्च मूल्य वाली फसलों के उत्पादन, जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा हेतु प्रभावी उपाय, पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन, कोल्ड स्टोरेज एवं क्लस्टर आधारित खेती को बढ़ावा देने के सुझाव सामने आए। कृषकों के तकनीकी प्रशिक्षण, जिला स्तर पर प्रसंस्करण केंद्रों की स्थापना तथा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' विकसित करने पर भी जोर दिया गया। उद्योग एवं एमएसएमई क्षेत्र में पर्वतीय क्षेत्रों में उद्योग स्थापना हेतु पूंजीगत सब्सिडी, ब्याज अनुदान, मशीनरी पर विशेष छूट, सेवा क्षेत्र आधारित उद्योगों को बढ़ावा तथा स्थानीय उत्पादों पर आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन की मांग रखी गई। आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों को उद्योगों से सीधे जोड़ने, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलें और पलायन रुके, इस पर भी सुझाव दिए गए। पर्यटन क्षेत्र में होमस्टे के लिए रियायती ऋण सुविधा, हैली सेवा का विस्तार, वैकल्पिक मार्गों का निर्माण, छोटे पर्यटन स्थलों का विकास, संस्कृत ग्रामों एवं सांस्कृतिक स्थलों को पर्यटक ग्राम के रूप में विकसित करने, नेचर एवं एग्री-टूरिज्म को बढ़ावा देने तथा स्थानीय उत्पादों के विपणन के लिए ठोस नीति बनाने की आवश्यकता बताई गई।

खाई में गिरा पिकअप वाहन, पांच मजदूर घायल

अल्मोड़ा। जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पिकअप वाहन खाई में गिर गया, जिससे पांच मजदूर घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार पिकअप संख्या यूके 19 सीए 1126 का चालक सकाम सिंह उर्फ सोनू, पुत्र राम सिंह बिष्ट, निवासी सराईखेत सल्ट मजदूरों को काम के लिए लेकर जा रहा था। इसी दौरान डोट्याल गांव से करीब तीन किलोमीटर पहले वाहन अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। वाहन में कुल सात लोग सवार थे। हादसे में चंदन सिंह, पुत्र प्रेम सिंह, निवासी कोलू पुर नेपाल, सुभाष, पुत्र निवासी नेपाल, चंद्रसेन, पुत्र रोशन सैनी, निवासी फतेहपुर बिजनौर, बिजेंद्र, पुत्र शंभू दयाल, निवासी हिदायतपुर बिजनौर, राजेंद्र, पुत्र जागन सिंह, निवासी किला खेड़ा उधम सिंह नगर और चालक सकाम सिंह बिष्ट उर्फ सोनू घायल हो गए। इनमें सुभाष की हालत गंभीर बताई जा रही है। वाहन में सवार मोबिन, पुत्र यासीन, निवासी सवालदेव पश्चिम रामनगर भी मौजूद था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्य चलाया। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार पलटी, युवक की मौत, सात घायल

रुड़की : शादी समारोह से परिवार के साथ घर लौट रहे एक युवक की कार स्पीड ब्रेकर पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के सात अन्य सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सभी को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल भिजवाया। पुलिस के अनुसार लक्सर कस्बा निवासी संजय वर्मा बाजार में ज्वेलर्स की दुकान करते हैं। वह अपने परिवार के साथ गुरुवार देर रात रुड़की में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। कार में उनकी पत्नी रीटा वर्मा, भाई अजय वर्मा, भाभी सुनीता वर्मा, भतीजा शैलभ वर्मा, उसकी पत्नी तथा उसके दो बच्चे सवार थे। बताया गया है कि लंढौरा के निकट इंडियन पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही कार ब्रेकर पर उछलकर अनियंत्रित हो गई और पलट गई। हादसे में 35 वर्षीय शैलभ वर्मा का सिर कार की छत से टकरा गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अन्य सात लोग घायल हो गए। (एजेंसी)

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को बड़ा झटका

वॉशिंगटन,अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को रद्द कर दिया। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को डोनाल्ड ट्रंप के आर्थिक एजेंडे के एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर मिली बड़ी हार माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला ट्रंप की ओर से आपातकालीन शक्तियों के कानून के तहत एकतरफा रूप से लगाए गए टैरिफ पर केंद्रित है, जिसमें लगभग हर दूसरे देश पर लगाए गए व्यापक पारस्परिक टैरिफ भी शामिल हैं। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति के पास लगभग सभी अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों से आने वाले सामानों पर व्यापक आयात शुल्क लगाने का अधिकार नहीं है।

बहुमत से ट्रंप के टैरिफ को दिया झटका

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6–3 के इस फैसले से डोनाल्ड ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ को खत्म कर दिया है। इस फैसले से वैश्विक व्यापार, व्यवसायों,उपभोक्ताओं, मुद्रास्फीति के रुझानों और देश भर के घरेलू वित्त पर व्यापक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

एआई कंटेंट के नए नियम लागू

इंटरनेट पर कुछ भी पोस्ट करने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

नई दिल्ली , केंद्र सरकार द्वारा एआई जनित सामग्री को लेकर संशोधित नियम 20 फरवरी से लागू हो गए हैं। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 10 फरवरी 2026 को इन संशोधनों को अधिसूचित किया था।

यह बदलाव 2021 में संशोधन के रूप में लागू किए गए हैं। नए नियमों के तहत सिंथेटिक या एआई द्वारा तैयार की गई सामग्री को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है और सोशल मीडिया प्लेट-फॉर्म्स की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। ऐसे कंटेंट को बिना उचित लेबलिंग या वॉटरमार्किंग के साझा करना अब कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान प्रधानमंत्री ने एआई सुरक्षा पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि डीपफेक और मनगढ़ंत सामग्री समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। ऐसे कंटेंट की पहचान के लिए वॉटरमार्किंग और स्पष्ट

स्रोत मानक तय करना जरूरी है। साथ ही, ऑनलाइन बाल सुरक्षा को लेकर भी सतर्क रहने पर जोर दिया।

क्या है सिंथेटिकली जेनरेटेड कंटेंट

नए नियमों के अनुसार, कोई भी कंप्यूटरीकृत सामग्री जिसे एआई या अन्य डिजिटल तकनीक के माध्यम से इस प्रकार तैयार या संशोधित किया गया हो कि वह किसी वास्तविक व्यक्ति, स्थान या घटना जैसी प्रतीत हो, उसे स्त्रढ्ढ कंटेंट माना जाएगा। ऐसे कंटेंट को साझा करने से पहले स्पष्ट लेबलिंग या वॉटरमार्क अनिवार्य होगा, ताकि आम लोग पहचान सकें कि यह एआई जनित है। सामान्य फोटो या वीडियो एडिटिंग को स्त्रढ्ढ की श्रेणी में नहीं रखा गया है।

तीन प्रमुख बदलाव

1. एआई जनित फोटो या वीडियो को साझा करने से पहले लेबलिंग अनिवार्य होगी। एक बार लगाया गया एआई लेबल हटाया नहीं जा सकेगा।

2. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को ऐसे टूल विकसित करने होंगे, जिनसे एआई कंटेंट की पहचान और सत्यापन किया जा सके और बिना सत्यापन के अपलोड को रोका जा सके।

3. प्लेटफॉर्म्स को प्रत्येक तीन महीने में उपयोगकर्ताओं को यह चेतावनी जारी करनी होगी कि एआई के दुरुपयोग पर जुर्माना या सजा हो सकती है। सरकार ने कुछ श्रेणियों को 'नो गो क्षेत्र में रखा है। इनमें बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री, फर्जी दस्तावेज, फर्जी इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड, हथियार या गोला–बारूद से जुड़ी भ्रामक जानकारी तथा डीपफेक फोटो और वीडियो शामिल हैं।

एसआईआर में लापरवाह अफसरों पर होगी सख्त कार्रवाई

–उत्तराखण्ड में अप्रैल माह में होगा गहन पुनरीक्षण

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी पुरुषोत्तम ने शुक्रवार को सचिवालय में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों के संबंध में सभी जनपदों के ज़िलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में माध्यम समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आगामी एसआईआर के दृष्टिगत सभी जनपदों की प्रशासनिक तैयारियों की जनपदवार समीक्षा कर विस्तृत जानकारी ली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आगामी अप्रैल माह में उत्तराखण्ड में एसआईआर प्रस्तावित है इस लिहाज से जनपद देहरादून, उधमसिंह नगर और नैनीताल में मतदाताओं की मैपिंग की प्रगति लक्ष्य के अनुरुप कम है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने तीनों जनपदों के जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिन बूथों पर मैंपिग प्रतिशत

कम है सम्बंधित ईआरओ और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जो भी अधिकारी एसआईआर के कार्य में लापरवाही करत हुए पाए गए तो उनपर ठोस कार्रवाई की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जनपदों को तय समयसीमा में एसआईआर की तैयारियों के बूथ अवेयरनेस ग्रुप के गठन के निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी. आर.सी पुरुषोत्तम ने जिलाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा वर्तमान में 77 प्रतिशत बूथों पर कि बूथ लेवल एजेंट्स की तैनाती हो चुकी है, बीएलए की शत प्रतिशत तैनाती हेतु राजनैतिक दलों से पुनः बैठक कर दी जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि एसआईआर हेल्पडेस्क के जिलों में अविलम्ब अतरिक्त कार्मिकों की तैनाती की जाए। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चंद्र, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, सभी जनपदों के जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, ईआरओ वर्चुअल रुप से शामिल रहे।

राहुल गांधी की कोर्ट में सफाई: मेरे खिलाफ साजिश रची गई

नई दिल्ली , कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह पर कथित टिप्पणी से जुड़े आठ वर्ष पुराने मानहानि मामले में शुक्रवार को एमपी–एमएलए कोर्ट में पेश होकर खुद को निर्दोष बताया। कहा कि अनायास हाईलाइट होने के लिए उन्हें साजिशन घेरा गया और केस दर्ज करा दिया गया। वह जल्द ही इसके प्रमाण अदालत में पेश करेंगे। उन्होंने बताया कि कर्नाटक में दिए उनके बयान की सीडी सत्यापित नहीं है, उसमें छेड़छाड़ की गई है। कोर्ट ने अगली सुनवाई नौ मार्च तय की है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर की गई कथित टिप्पणी पर भाजपा नेता विजय मिश्र ने वर्ष 2018 में मानहानि का परिवाद दायर किया था। राहुल गांधी अंतिम बार 26 जुलाई 2024 को कोर्ट में व्यक्तिगत पेश हुए थे। बीते 19 जनवरी को अदालत ने राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर 20 फरवरी को बयान दर्ज कराने का अंतिम मौका दिया था।

रणवीर सिंह धमकी मामला :

अमेरिकी नंबर का इस्तेमाल कर हैरी बॉक्सर ने मांगे थे 10 करोड़ रुपए

मुंबई ,अभिनेता रणवीर सिंह को हाल ही में बिश्नोई गैंग से मिली धमकी और रंगदारी के मामले में पुलिस अलर्ट मोड पर है। जांच में आए दिन नई–नई जानकारी प्राप्त हो रही है। लेटेस्ट अपडेट है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैरी बॉक्सर (हरी चंद जाट उर्फ हैरी बॉक्सर) ने व्हाट्सएप पर वॉयस नोट भेजकर रणवीर सिंह से 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। यह धमकी रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना के ठीक बाद भेजी गई थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है कि वॉयस नोट में हैरी बॉक्सर की आवाज है। यह मैसेज अमेरिकी नंबर से भेजा गया था, जिसके लिए पुलिस अमेरिकी एजेंसियों से संपर्क कर रही है। जांच में पता चला कि वॉयस नोट वीपीएन का इस्तेमाल करके विदेश से भेजा गया था। धमकी के

बाद रणवीर सिंह की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। क्राइम ब्रांच रणवीर सिंह के मैनेजर का भी बयान दर्ज कर चुकी है और मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस ने अभी तक इस मामले में कोई एआईआर नहीं की है, लेकिन प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। मामले को लेकर अन्य सबूत जुटाए जा रहे हैं।

नए रिश्ते की शुरुआत: भारत–बांग्लादेश के बीच जल्द बहाल होगी वीजा सेवाएं

नई दिल्ली। बांग्लादेश में तारिक रहमान की अगुवाई में सरकार बनने के बाद दोनों देशों के संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिश तेज हो गई है। दोनों देशों के बीच वीजा सेवाओं को बहाल करने को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है और जल्द ही वीजा सेवाओं के बहाल होने व इसके पहले की तरह सामान्य किये जाने की संभावना है। अगले एक–दो दिनों के भीतर भारत की तरफ से बांग्लादेशी नागरिकों को चिकित्सा व कुछ अन्य जरूरतों के लिए वीजा देने की शुरुआत की जा रही है।

वीजा सेवाओं की बहाली अंतिम चरण में

पिछले साल जब ढाका स्थिति भारतीय उच्चायोग के भवन के आस पास प्रदर्शनकारियों ने हमला किया था तो सुरक्षा

वजहों को कारण बताते हुए भारत सरकार ने वीजा सेवाएं अस्थगित कर दी थी। इसके बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने भी ऐसा ही किया था। नई सरकार के आने के बाद दोनों देशों के उच्चायोगों के बीच संपर्क बना हुआ है। इसी बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह पड़ोसी देश के साथ संबंधों को बेहतर करने को प्रतिबद्ध है।

सामान्य हो रहे भारत–बांग्लादेश संबंध

इधर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल से जब भारत व बांग्लादेश के संबंधों को लेकर सवाल पूछा गया तो उनका जवाब था कि, 'भारत के प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री श्री तारिक रहमान को उनकी चुनावी जीत के तुरंत बाद बधाई दी। लोकसभा के माननीय स्पीकर श्री ओम बिरला ने 17 फरवरी 2026 को शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया और प्रधानमंत्री की ओर से एक पत्र प्रधानमंत्री रहमान को सौंपा।

1.86 लाख की स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

अल्मोड़ा। जिले में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक युवक को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पहले भी नशा तस्करी के मामलों में जेल जा चुका है। पुलिस मीडिया सेल से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को कोतवाली अल्मोड़ा और एसओजी की संयुक्त टीम ने बेस तिराहे के पास चेकिंग के दौरान दीपक सिंह बिष्ट को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से 6.20 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1.86 लाख रुपये बताई जा रही है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है। दीपक सिंह बिष्ट, पुत्र गोविंद सिंह बिष्ट, निवासी स्यालीधार अल्मोड़ा का रहने वाला है।

ईडी की बड़ी कार्रवाई, विंजो और उसकी सहयोगी कंपनी की 590 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली , प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनी विंजो प्राइवेट लिमिटेड और उसकी सहयोगी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड की करीब 590 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त कर ली है। यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन कानून के तहत नियमों के उल्लंघन के कारण की गई है। ईडी के बेंगलुरु जोनल ऑफिस ने कंपनी के बैंक खाते, फिक्स्ड डिपॉजिट, म्यूचुअल फंड बॉन्ड जैसी वित्तीय संपत्तियों को जब्त किया है। जांच में पाया गया कि ये संपत्तियां विदेशी मुद्रा प्रबंधन कानून के नियमों के खिलाफ रखी गई थीं। जांच में सामने आया कि विंजो ऑनलाइन रियल मनी गेम्स और जुआ से जुड़े 100 से अधिक गेम संचालित कर रही थी। कंपनी का दावा है

कि उसके करीब 25 करोड़ यूजर्स हैं। कंपनी ने विदेश में अपनी सहयोगी कंपनियों, जैसे विंजो यूएस आईएनसी (अमेरिका) और विंजो एसजी पीटीई लिमिटेड (सिंगापुर), में करीब 492 करोड़ रुपए (लगभग 54 मिलियन डॉलर) का निवेश किया था। ईडी की जांच में कई गंभीर तथ्य सामने आए। विदेश में बनाई गई कंपनियों के पास वहां कोई कर्मचारी या वास्तविक ऑफिस नहीं था। इन कंपनियों का पूरा संचालन भारत से ही किया जा रहा था। विदेश में जमा पैसा जुआ और रियल मनी गेम्स जैसी प्रतिबंधित गतिविधियों से कमाया गया था। कंपनी ने विदेशी निवेश के नाम पर पैसा विदेश में रखा, जो नियमों का उल्लंघन है। जांच में सामने आया है कि इन सभी कंपनियों का संचालन भारत से हो रहा था। जांच में पाया गया कि विदेश की कंपनियों के बैंक खाते, अकाउंटिंग और रोजमर्रा के फैसले भारत से ही लिए जा रहे थे। सिंगापुर की कंपनी भारत की कंपनी से गेम का लाइसेंस शुल्क ले रही थी।

सम्पादकीय

अमेरिका के साथ व्यापार संधि

लाख टके का सवाल है आज अमेरिका के साथ जिस व्यापार संधि की बात है उसका असल कौन जानता है? क्या कैबिनेट में विचार हुआ? मंत्रियों के समूह, सचिवों के समूह में विचार हुआ? सवाल यह भी है कि अकेले अमेरिका के राष्ट्रपति ने समझौते की घोषणा क्यों की? क्यों फिर एक घंटे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप का आभार जताया, पुष्टि की? साझा घोषणा क्यों नहीं हुई? याद करें इसी तरह ट्रंप ने एकतरफा तरीके से 10 मई 2025 को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान किया था। उसके आधे घंटे के बाद भारत की ओर से एक मिनट से भी कम की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी, जिसमें सीजफायर की पुष्टि की गई थी। इसी तरह ट्रंप ने ही ऐलान किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और यह भी ऐलान किया कि भारत अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। सवाल है जब साझा बयान तैयार नहीं है, समझौते की बातचीत पूरी तरह से फाइनल नहीं हुई है और तत्काल कोई प्रावधान लागू नहीं हो रहा था ? ध्यान रहे वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अगले चार पांच दिन में साझा बयान तैयार हो जाएगा और उसकी घोषणा हो जाएगी। इसके बाद एक हफ्ते में भारत पर लगा टैरिफ कम होगा और मार्च के मध्य में 'पहला ट्रांचइ यानी समझौते के पहले हिस्से की घोषणा होगी। ऐसे में क्या यह उचित नहीं होता कि जब साझा बयान तैयार हो जाए तभी एक साथ उसकी घोषणा होती? पीयूष गोयल ने कहा है कि साझा बयान पर दस्तखत वर्चुअल तरीके से हो सकता है। जब ऐसा ही होना है तब तो यह और भी अच्छी स्थिति थी कि इंतजार किया जाता और एक साथ समझौते की घोषणा होती! लेकिन आनन फानन में दो फरवरी की रात को सवा नौ बजे के करीब भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात हुई है। उन्होंने लोगों को जुड़े रहने को भी कहा। इसके थोड़ी देर के बाद रात 10 बजे के करीब राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लंबी पोस्ट लिख कर कहा कि भारत के साथ समझौता हो गया। इसके एक घंटे बाद रात 11 बज कर दो मिनट पर प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी पुष्टि की। ध्यान रहे सोमवार को दिन में राहुल गांधी संसद में पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब का अंश लेकर संसद में पहुंचे थे और अपने भाषण में इसे उठाने का प्रयास किया था। हालांकि उनको बोलने नहीं दिया गया लेकिन सबको पता चल गया कि 31 अगस्त 2020 की रात को क्या हुआ था। कैसे भारत के राजनीतिक नेतृत्व ने सेना और सेना प्रमुख को उनके हाल पर छोड़ दिया था। उसी दिन रात में समझौते की खबर आई। लेकिन राहुल गांधी पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा। वे अगले दिन किताब लेकर संसद में पहुंचे और यह भी कहा कि 'प्रधानमंत्री कंप्रोमाइज्ड हैं। राहुल ने कहा कि अमेरिका ने एपस्टीन फाइल्स की बहुत सी बातें अभी सार्वजनिक नहीं कीं। उनके मुताबिक एपस्टीन फाइल्स और अडानी के ऊपर मुकदमे की वजह से प्रधानमंत्री दबाव में हैं और इस वजह से समझौता हुआ है। पता नहीं हकीकत क्या है लेकिन सरकार की हड़बड़ी और टाइमिंग पर निश्चित रूप से सवाल खड़े होते हैं। हड़बड़ी की बात इसलिए है क्योंकि समझौते की घोषणा के चार दिन बाद तक किसी को पता नहीं है कि इसमें क्या है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में भी बता दिया है कि समझौता हो गया है और इसमें किसानों, पशुपालकों सहित देश के हर वर्ग के हितों का ख्याल रखा गया है। किसी के हित से समझौता नहीं किया गया है। लेकिन उधर अमेरिका के दौर पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि उनको समझौते के बारे में खास जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बारे में वाणिज्य मंत्री जान रहे होंगे। हालांकि उनके अमेरिका दौरे पर व्यापार समझौते से जोड़ कर ही देखा जा रहा है।

शंकराचार्य के साथ ऐसा बरताव

अजीत द्विवेदी

यह संयोग नहीं है कि करीब तीन साल तक आधा दर्जन से ज्यादा पिछड़ी जाति के नेताओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की चर्चा करने के बाद भाजपा ने अगड़ी जाति के नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और उसके बाद यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के नाम पर ऐसा नियम पेश किया, जिसके खिलाफ पूरा सवर्ण समाज आंदोलित हुआ। यह भी संयोग नहीं है कि एक शंकराचार्य को माघ मेले में मौनी अमावस्या के दिन स्नान से रोका गया और 11 दिन के अनशन के बाद भी किसी ने अनशन समाप्त कराने का प्रयास नहीं किया। उलटे शंकराचार्य की साख बिगाड़ने और उनके पट्टाभिषेक को विवादित साबित करने वाले काम हुए।

शंकराचार्य को मेला प्रशासन ने नोटिस देकर उनकी पदवी के बारे में सफाई मांगी और दूसरी नोटिस में उनको धमकाया कि जमीनें ले ली जाएंगी और सुविधाएं छीन ली जाएंगी। हिंदुत्व की राजनीति करने वाली पार्टी अगर हिंदू धर्म की धार्मिक व आध्यात्मिक परंपरा के शिखर पर बैठे चार में से एक शंकराचार्य को धमकी दे रही है तो वह अनायास नहीं हो सकता है।

संभव है कि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ रविवार, 18 जनवरी को जो घटना हुई वह अचानक हो गई हो। वे पालकी से स्नान के लिए जा रहे थे और भीड़ बहुत होने की वजह से उनको रोका गया हो। लेकिन उसके बाद जो कुछ भी हो रहा है वह एक राजनीतिक योजना का हिस्सा प्रतीत होता है। ऐसा लग रहा है कि शंकराचार्य से पुरानी बातों और उनके बयानों का बदला लिया जा रहा है और उस पद के महत्व को हमेशा के लिए समाप्त किया जा रहा है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद अक्सर विवादित बयान देते रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनके विवादित बयानों से अछूते नहीं रहे हैं। उन्होंने पिछले साल प्रयागराज के महाकुंभ में हुई भगदड़ और लोगों की मौत को लेकर राज्य की योगी आदित्यनाथ की सरकार को भी कठघरे में खड़ा किया था।

ध्यान रहे भारत में शंकराचार्य का पद कभी भी ईसाई धर्म के वेटिकन के पोप की तरह या इस्लाम धर्म के मौलानाओं, शाही इमामों या खलिफाओं की तरह नहीं रहा है। वे हिंदू धर्म के लिए कोई दिशा निर्देश नहीं जारी करते हैं और उनके प्रति सम्मान का भाव रखने वाला हिंदू समाज भी उनके हिसाब से अपना जीवन चलाने के लिए बाध्य नहीं होता है। वे सनातन की आध्यत्मिक परंपरा के सर्वोच्च प्रतिनिधि होते हैं। आदि शंकराचार्य ने अद्वैत वेदांत का जो सिद्धांत दिया वे उसका प्रतिनिधित्व करते हैं और भारत के एक राष्ट्र राज्य के तौर पर उभरने से पहले शंकराचार्य द्वारा निर्धारित की गई भौगोलिक सीमा के चारों कोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस लिहाज से उनका अपना महत्व है।

शंकराचार्यों की बातों को हिंदू जीवन पद्धति में हस्तक्षेप के तौर पर कभी नहीं देखा गया लेकिन पिछले कुछ समय से कुछ शंकराचार्यों और अन्य धर्मगुरुओं या कथावाचकों का राजनीति में हस्तक्षेप बढ़ा है। अपने समर्थकों या प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने के लिए वे लोकप्रिय भावना के अनुरूप बयानबाजी करने लगे। इसमें कथावाचक और धर्म को कारोबार बनाने वालों ने तो सहज रूप से सबसे शक्तिशाली दल और सरकार के समर्थन में बोलना शुरू कर दिया लेकिन आध्यात्मिक परंपरा का पालन करने वाले शंकराचार्यों ने ऐसा नहीं किया।

तभी जब सौंदर्यीकरण के नाम पर मंदिर तोड़े गए तो स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की तुलना औरंगजेब से कर दी या जब अयोध्या में राममंदिर संपूर्ण नहीं हुआ था, उसका शिखर नहीं बना था, उस पर ध्वजा नहीं फहराई गई थी तो चारों शंकराचार्य उसके उद्घाटन में शामिल होने नहीं गए। हो सकता है कि इससे राजसत्ता में नाराजगी हुई हो। राजसत्ता ने धर्मसत्ता को अपने लिए चुनौती की तरह देखा हो

और अविमुक्तेश्वरानंद के पुराने राजनीतिक बयानों को आधार बना कर उनके बहाने शंकराचार्य की समूची व्यवस्था की साख बिगाड़ने और उसका महत्व कम करने का प्रयास किया जा रहा हो।

यह भी हो सकता है कि प्रयागराज में माघ मेले में हुई घटना के बहाने सबक देने की कोशिश हुई हो ताकि आगे यह सुनिश्चित किया जा सके कि धर्मसत्ता कभी भी राजसत्ता का विरोध न करे। शंकराचार्य इस बात को समझ रहे हैं तभी धीरे धीरे बाकी तीन शंकराचार्यों, द्वारिका की शारदा पीठ के सदानंद जी महाराज, पुरी की गोवर्धन पीठ के स्वामी निश्चलानंद जी महाराजा और श्रृंगेरी पीठ के स्वामी भारती तीर्थ जी महाराज ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया है। पहले अगर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पट्टाभिषेक को लेकर कुछ संशय था तो उसे दरकिनार करके तीनों शंकराचार्य उनके समर्थन में उतरें हैं।

ध्यान रहे शंकराचार्य का चयन शंकराचार्य ही करते हैं। उसके बाद ज्यादा से ज्यादा यह होता है कि बाकी शंकराचार्य उसका समर्थन करें। इस लिहाज से अविमुक्तेश्वरानंद की नियुक्ति विवादित नहीं होनी चाहिए थी क्योंकि उनके गुरू और शारदा पीठ व ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने उनकी नियुक्ति की थी। ज्योतिषपीठ विवाद में इसलिए फंसा क्योंकि स्वरूपानंद सरस्वती दो पीठों के शंकराचार्य थे।

सवाल उठाया गया कि एक व्यक्ति दो पीठ का शंकराचार्य नहीं हो सकता है। इसी तरह से यह भी परंपरा है कि कोई भी पीठ खाली नहीं रहेगी। सो, अगर अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य नहीं माना जाए तो क्या तीन साल से ज्यादा समय से ज्योतिषपीठ खाली है?

बहरहाल, सरकार को इन तमाम बातों की जानकारी है। इसके बावजूद शंकराचार्य से जुड़े विवाद को बढ़ने दिया गया और उनको ससम्मान स्नान करा कर विदा करने और विवाद समाप्त करने की बजाय उनको धमकाया गया। सोचें, जो सरकार या जो पार्टी हत्या और बलात्कार के दोषी ठहराए गए या आरोपी बनाए गए कथावाचकों व कथित संतों को समस्त सुविधाएं देती हो वह एक शंकराचार्य के साथ ऐसा बरताव करे तो क्या इसे सामान्य घटना मान सकते हैं? असल में देश हजारों की संख्या में जो कथावाचक पैदा हुए हैं या कथित साधु, संत, बाबा, महामंडलेश्वर पैदा हुए हैं उनका स्वार्थ है। वे ज्यादा से ज्यादा शिष्य या श्रोता बनाने के लिए काम करते हैं और पैसे कमाने, राजनीति को प्रभावित कर सकने वाली हस्ती बनाने और तमाम भौतिक सुख सुविधाएं हासिल करने के लिए काम करते हैं। इनमें कुछ अपवाद भी होंगे लेकिन ज्यादातर ऐसे ही हैं। ऐसे लगभग सभी लोग भारतीय जनता पार्टी का समर्थन करते हैं और दिन रात प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्रियों का गुणगान करते हैं। शंकराचार्य ये काम नहीं करते हैं और न कर सकते हैं। वे धर्म, आध्यात्म और समाज से जुड़े गंभीर प्रश्न उठाते हैं, जिससे सरकार असहज होती है।

तभी अविमुक्तेश्वरानंद के बहाने शंकराचार्य के पद की प्रतिष्ठा को समाप्त किया जा रहा है। उनकी जगह कथावाचकों व अनाप शनाप बयानबाजी करने और हिंदू मुस्लिम नैरेटिव को बढ़ाने का काम करने वाले कथित साधु संतों का महिमामंडन किया जा रहा है। एक बारीक बात यह है कि शंकराचार्य पारंपरिक रूप से ब्राह्मणवादी व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं। जिस तरह से यूजीसी के नए नियमों का मकसद पिछड़ी जातियों को एक संदेश देना है उसी तरह शंकराचार्य को टारगेट करके भी पिछड़ी जातियों को संदेश दिया जा रहा है कि सरकार पारंपरिक ब्राह्मणवादी व्यवस्था को समाप्त कर रही है।

असल में भाजपा को लग रहा है कि कांग्रेस, सपा, राजद जैसी विपक्षी पार्टियां 'जितनी आबादी, उतना हकइ का नारा देकर अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी आबादी को अपने साथ जोड़ रही हैं। विपक्ष का यह वोट अपनी ओर करने की दीर्घकालिक योजना के तहत भाजपा नए प्रयोग कर रही है। वह कुछ आगे बढ़ेगी और कुछ पीछे हटेगी लेकिन यह प्रयोग चलेगा। उसको लग रहा है कि अंत में सवर्ण मतदाताओं के पास भाजपा के अलावा कोई चारा नहीं होगा। इसलिए वह एससी, एसटी और ओबीसी वोट सुरक्षित करने का प्रयास कर रही है। इसका एक बड़ा हिस्सा पहले से भाजपा के साथ है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद पिछड़ी जाति का प्रतीक चेहरा हैं। प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व का भी चेहरा हैं। इसलिए यह मैसेज भी दिया जा रहा है कि उनके रहते शंकराचार्यों की क्या जरुरत है! राजनीति में अक्सर नेता यह गलती करते हैं। वे अपना मूल छोड़ कर दूसरे का वोट हथियाने की कोशिश करते हैं और इस कोशिश में अपना मूल भी गंवा देते हैं।

शंकराचार्यों की बातों को हिंदू जीवन पद्धति में हस्तक्षेप के तौर पर कभी नहीं देखा गया लेकिन पिछले कुछ समय से कुछ शंकराचार्यों और अन्य धर्मगुरुओं या कथावाचकों का राजनीति में हस्तक्षेप बढ़ा है। अपने समर्थकों या प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने के लिए वे लोकप्रिय भावना के अनुरूप बयानबाजी करने लगे। इसमें कथावाचक और धर्म को कारोबार बनाने वालों ने तो सहज रूप से सबसे शक्तिशाली दल और सरकार के समर्थन में बोलना शुरू कर दिया लेकिन आध्यात्मिक परंपरा का पालन करने वाले शंकराचार्यों ने ऐसा नहीं किया। तभी जब सौंदर्यीकरण के नाम पर मंदिर तोड़े गए तो स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की तुलना औरंगजेब से कर दी या जब अयोध्या में राममंदिर संपूर्ण नहीं हुआ था, उसका शिखर नहीं बना था, उस पर ध्वजा नहीं फहराई गई थी तो चारों शंकराचार्य उसके उद्घाटन में शामिल होने नहीं गए।

भारत का स्कोर मध्यम स्तर पर

ईसीआई पर जापान पहले, ताइवान दूसरे, दक्षिण कोरिया चौथे और सिंगापुर पांचवें नंबर पर आया है। गुजरे पांच साल में तीन अंकों की उछाल हासिल करते हुए चीन अब टॉप 10 में पहुंच गया है, जबकि अमेरिका गिर कर 20वें स्थान पर चला गया है। 145 देशों की इस सूची में भारत को 41वें स्थान पर रखा गया है। विश्लेषकों के मुताबिक भारत का स्कोर मध्यम स्तर पर है, जो यह दिखाता है कि भारत की उत्पादन संरचना विविध तो है, लेकिन उच्च–तकनीक और जटिल उत्पादों में पर्याप्त विस्तार का अभाव है।

भारत की ताकत फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और आईटी सेवाओं में है, जो उच्च जटिलता वाले क्षेत्रों में आते हैं। लेकिन कृषि और प्राथमिक वस्तुओं की बड़ी हिस्सेदारी आर्थिक जटिलता सूचकांक पर भारत के ऊपर जाने में रुकावट है। जो देश मैनुफैक्चरिंग की विविधापूर्ण एवं बारीक क्षमताएं विकसित करते हैं, उनका तेजी से विकास होता है। ये निष्कर्ष हार्वर्ड ग्रोथ लैब का है। अमेरिका के मशहूर हार्वर्ड केनेडी स्कूल से संबंधित ये अध्ययन केंद्र ने विभिन्न देशों की उत्पादक क्षमता को मापते हुए आर्थिक जटिलता सूचकांक (ईसीआई) तैयार करता है। उसका दावा है कि इस पैमाने से विकास की रफ्तार का किसी अन्य पैमाने की तुलना में अधिक सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। लैब अपने सूचकांक के आधार पर इस नतीजे पर है कि अगले दशक में प्रति व्यक्ति आर्थिक वृद्धि का अग्रणी देश वियतनाम होगा।यानी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका चीन इस मामले में वियतनाम से पीछे रहेगा। संस्था का निष्कर्ष है कि अगले दस साल तक वैश्विक ग्रोथ का नेतृत्व पूर्वी एशिया के हाथ में बना रहेगा। ईसीआई पर जापान पहले, ताइवान दूसरे, दक्षिण कोरिया चौथे और सिंगापुर पांचवें नंबर पर आया है। गुजरे पांच साल में तीन अंकों की उछाल हासिल करते हुए चीन अब टॉप 10 में पहुंच गया है, जबकि अमेरिका गिर कर 20वें स्थान पर चला गया है। 145 देशों की इस सूची में भारत को 41वें स्थान पर रखा गया है। विश्लेषकों के मुताबिक भारत का स्कोर मध्यम स्तर पर है, जो यह दिखाता है कि भारत की उत्पादन संरचना विविध तो है, लेकिन उच्च–तकनीक और जटिल उत्पादों में पर्याप्त विस्तार का अभाव है। इस सूचकांक में भारत को ऊपर चढ़ना है, तो उसे उच्च मूल्य वाले और तकनीकी रूप से परिष्कृत वस्तुओं के उत्पादन की क्षमता विकसित करनी होगी। भारत की ताकत फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और आईटी सेवाओं में है, जो उच्च जटिलता वाले क्षेत्रों में आते हैं। लेकिन कृषि और प्राथमिक वस्तुओं की बड़ी हिस्सेदारी ईसीआई पर भारत के ऊपर जाने में रुकावट है। ईसीआई में मुख्य ध्यान ज्ञान एवं उच्च उत्पादन क्षमताओं पर केंद्रित है। इन्हें किसी देश में उत्पादक ढांचे के विकास का सबसे अहम हिस्सा माना गया है। ये रिपोर्ट एक आईना है, जिससे पता चलता है कि दुनिया विकास कथाओं को किन कसौटियों पर देख रही है।

ताकाइची का वादा

प्रधानमंत्री साने ताकाइची इसे पसंद करती हैं कि उनकी तुलना ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मागरिट थैचर से की जाए। जिस तरह थैचर ने ब्रिटेन की दिशा बदल दी थी, कुछ वैसा ही करने का वादा ताकाइची ने किया है। लंबे समय बाद जापान में किसी नेता को दो तिहाई बहुमत मिला है। सतारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को ऐसी कामयाबी चार महीने पहले प्रधानमंत्री बनी साने ताकाइची ने दिलाई। दरअसल, जितनी बड़ी जीत एलडीपी को इस बार मिली, उतना गुजरे 70 वर्षों में कभी नही हुआ। जापान में 1955 में नया संविधान लागू होने के बाद से एलडीपी 66 वर्ष सत्ता में रही है। सिर्फ दो बार ऐसे मौके आए, जब वह दो–दो वर्ष के लिए सत्ता से बाहर हुई। मगर पिछले डेढ़ दशक में पार्टी की लोकप्रियता लगातार गिरी थी। आर्थिक गतिरुद्धता, बढ़ती सामाजिक समस्याओं, और धुर दक्षिणपंथ के उदय के कारण हालिया चुनावों में उसे पूर्ण बहुमत से वंचित रहना पड़ा। इसीलिए रविवार को हुए चुनाव में उसे मिली बड़ी जीत ने दुनिया का ध्यान खींचा है। इससे ये बात पुष्ट हुई है कि उदारवाद और राष्ट्रवाद का उग्र एजेंडा पेश कर जापान के मतदाताओं में उत्साह पैदा करने में ताकाइची सफल रहीं। ताकाइची इसे पसंद करती हैं कि उनकी तुलना ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मागरिट थैचर से की जाए। जिस तरह थैचर ने ब्रिटेन की दिशा बदल दी थी, कुछ वैसा ही करने का वादा ताकाइची ने किया है। प्रधानमंत्री बनते ही ताइवान के सवाल पर उग्र बयान देकर चीन से टकराव बढ़ाते हुए उन्होंने देश में राष्ट्रवादी भावनाएं फैलाईं। इसे आगे बढ़ाते हुए उन्होंने सैन्य खर्च बढ़ाने का वादा किया। साथ ही जापान को परमाणु हथियार संपन्न देश बनाने के संकेत भी उन्होंने दिए। उधर आर्थिक मोर्चे पर हर तरह के टैक्स में कटौती का वादा किया। इसमें आय कर से लेकर उपभोग कर तक शामिल हैं। कहा कि यह सब बजट घाटा बढ़ाते हुए किया जाएगा। जहां लोग अर्थव्यवस्था की घटती गई प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, घटती उत्पादकता, गिरते जीवन स्तर, और बढ़ती गैर–बराबरी से वर्षों से परेशान हों, वहां इस तरह के वादों ने जादुई असर किया, तो उसे समझा जा सकता है। वैसे विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि रक्षा क्षेत्र को छोड़ दें, तो बाकी वादों को पूरा करना आसान नही होगा। लेकिन ये बाद की बात है। फिलहाल, तो ताकाइची की लहर चली है।

रिलीज हुआ एसके26 का पोस्टर, सेयोन होगा फिल्म का नाम, कमल हासन करेंगे प्रेजेंट

यूनिवर्सल हीरो कमल हासन ने टैलेंटेड एक्टर शिवकार्तिकेयन के साथ नए प्रोजेक्ट की घोषणा की। इस प्रोजेक्ट को एसके26 नाम दिया गया था और प्री–लुक ने लोगों की दिलचस्पी जगाई। लेटेस्ट जानकारी के मुताबिक, मेकर्स ने कुछ मिनट पहले फिल्म का टाइटल और शिवकार्तिकेयन का दमदार फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज़ किया है। फिल्म का तमिल में नाम सेयोन है और इसका मतलब है सूरज। पोस्टर में देखा जा सकता है कि शिवकार्तिकेयन अपने हाथ में एक हथियार लिए बैठे हैं। उनके आस–पास कई मोर हैं। अभिनेता लुंगी और बनियान पहने ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा है वीरता और विजय है सेयोन। खास बात यह है कि सेयोन का मतलब तमिल भगवान मुरुगा से है, जिनका वाहन मोर है। फिल्म की कहानी और बाकी कलाकारों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। संतोष नारायणन के म्यूजिक के साथ अपकमिंग फिल्म की सिनेमैटोग्राफी विवेक विजयकुमार कर रहे हैं। एडिटिंग सन लोकेश कर रहे हैं। शिवकुमार मुरुगेसन के निर्देशन में बन रही इस अपकमिंग फिल्म को कमल हासन अपने राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल प्रोडक्शन बैनर के तहत प्रोड्यूस कर रहे हैं।

एल्विश यादव का नया गाना जस्टिन बीबर जारी, ईशा मालवीय संग जोड़ी लगी शानदार

मशहूर यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव का नया गाना जस्टिन बीबर जारी हो गया है जिसने आते ही यूट्यूब पर धमाल मचा दिया। संगीतकार अनु अमानत की आवाज में इस हरियाणवी गाने को गाया गया है, जबकि रैप खुद एल्विश ने किया है। गाने का निर्माण फ्लेम म्यूजिक और नितेश उजोली ने मिलकर किया है। जस्टिन बीबर में एल्विश के साथ ईशा मालवीय नजर आई हैं। दोनों की जोड़ी को फैंस ने जबरदस्त बताया है। एल्विश के नए गाने को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं, तो वहीं कुछ लोगों को इसके बोल खटक रहे हैं। चर्चा है कि इसके बोल और दृश्य प्रिंस नरुला और मैक्सटर्न के साथ उनके पिछले विवादों की ओर इशारा करते हैं।

करीब 2:21 मिनट पर, लोगों को यकीन है कि एल्विश ने मैक्सटर्न पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष किया है। बता दें, एल्विश और मैक्सटर्न के बीच एक विवाद को लेकर हुआ थप्पड़ कांड खूब चर्चा में रहा था।

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे टी–20 में भारत को हराया

नईदिल्ली, भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 19 रन से हार का सामना करना पड़ा। मनुका ओवल में खेले गए मैच में कंगारू टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 163/5 का स्कोर बनाया, जिसमें जॉर्जिया वोल की 88 रन की पारी शामिल रही। जवाब में भारतीय टीम लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रही। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की सीरीज में फिलहाल 1–1 से बराबरी हासिल की।ऑस्ट्रेलिया से जॉर्जिया और बेथ मूनी (46) ने पहले विकेट के लिए 128 रन की साझेदारी की। अच्छी शुरुआत के बाद सलामी बल्लेबाजों के अलावा अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी क्रीज पर नहीं टिक सकी और मेजबान टीम ने सम्मानजनक स्कोर बनाया। जवाब में भारत से शफाली वर्मा (29) और स्मृति मंधाना (31) ने सधी हुई

शुरुआत की। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर (36) और विकेटकीपर ऋचा घोष (19) ने संघर्ष किया, लेकिन जीत नहीं दिला सकी।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से पारी की शुरुआत करने आई जॉर्जिया वोल अपने पहले टी–20 अंतरराष्ट्रीय शतक से चूक गई। 22 वर्षीय इस बल्लेबाज ने अपने टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर का तीसरा अर्धशतक लगाया। वह 57 गेंदों में 11 चौकों और एक छक्के की मदद से 88 रन बनाकर आउट हुई। यह उनके टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर का सर्वोच्च स्कोर बन गया। उन्होंने अब तक 8 पारियों में 39.50 की औसत से 316 रन बनाए हैं।

लक्ष्य का पीछा करते हुए मंधाना 24 गेंदों में 31 रन बनाकर आउट हुई। इस बीच मंधाना ने सलामी बल्लेबाज के रूप में टी–20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 4,000 रन पूरे किए। वह सूजी बेट्स के बाद ये कारनामा करने वाली सिर्फ दूसरी बल्लेबाज बनी हैं। टी–20 अंतरराष्ट्रीय में 144 पारियों में सलामी बल्लेबाज के रूप में खेल चुकी मंधाना ने 30 की औसत से 4,028 रन बनाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया से पारी की शुरुआत करने आई मूनी अपने अर्धशतक से चूक गई। वह 39 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुई। उनके अब 114 मैचों में 41.85 की औसत और 125.43 की स्ट्राइक रेट के साथ 3,432 रन बनाए हैं। भारत के विरुद्ध उन्होंने 28 मैचों में 43.59 की औसत और 122.16 की स्ट्राइक रेट के साथ 959 रन बनाए हैं।

तुम्बाड 2 में होगा अंतरराष्ट्रीय धमाका, निर्माताओं ने इन धुरंधरों को किया शामिल

सोहम शाह की फिल्म तुम्बाड साल 2018 में रिलीज हुई थी जिसने सफलता का स्वाद बखूबी चखा। फिल्म के दृश्य, कहानी और कॉन्सेप्ट ने हर किसी का मन मोह लिया, जिसका नतीजा यह हुआ कि लोग इसके सीक्वल से ढेरों उम्मीदें लगाकर बैठे हुए हैं। निर्माताओं ने तुम्बाड 2 का ऐलान तो पहले ही कर दिया था। खबर है कि फिल्म का लेवल बढ़ाने के लिए एक खास तैयारी चल रही है, जिसे सुनकर लोगों का उत्साह बढ़ जाएगा। तुम्बाड 2 के जरिए अपनी पौराणिक दुनिया और दृश्य पैमाने को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने जाने–माने अंतरराष्ट्रीय कलाकारों को परियोजना में शामिल करने की योजना बनाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि लॉस एंजिल्स

स्थित कॉन्सेप्ट आर्टिस्ट और क्रिएचर डिजाइनर साइमन ली और लोकप्रिय प्रोस्थेटिक डिजाइनर शॉन हैरिसिन इसके साथ जुड़ गए हैं। निर्माताओं का यह फैसला सीक्वल के सिनेमाई लेवल को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। साइमन को कई हॉलीवुड फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है। उन्होंने गॉडजिला वर्सेस कोंग, गॉडजिलाः किंग ऑफ द मॉन्स्टर्स और द लॉर्ड ऑफ द रिंग्सः द रिंग्स ऑफ पावर जैसी फिल्मों में प्रभावशाली जीव–जंतुओं को डिजाइन किया है। उनके साथ हैरिसन भी द ममी, एवेंजसः एज ऑफ अल्ट्रॉन और हैरी पॉटर फ्रैंचाइजी में प्रोस्थेटिक डिजाइनर के तौर पर योगदान दे चुके हैं। कुल मिलाकर निर्माता इन धुरंधरों को शामिल करके सीक्वल का लेवल काफी बढ़ाने वाले हैं।

टी–20 विश्व कप 2026: वेस्टइंडीज ने इटली को हराकर चौथी जीत दर्ज की

नईदिल्ली,वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने टी–20 विश्व कप 2026 के 37वें मुकाबले में इटली को 42 रन से हरा दिया। इस विश्व कप में वेस्टइंडीज की लगातार चौथी जीत है। वहीं, इटली का इस विश्व कप में सफर खत्म हो गया। उसने 4 मुकाबले खेले और उसे 1 मैच में नेपाल के खिलाफ जीत मिली। मैच में वेस्टइंडीज ने 165/6 का स्कोर बनाया। जवाब में इटली 123 रन ही बना पाई। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

मैच में इटली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वेस्टइंडीज के लिए कप्तान शाई होप ने सबसे ज्यादा 75 रन बनाए। उनके अलाावा शेरफन रदरफोर्ड और रोस्टन चेज के बल्ले से 24–24 रन निकले। क्रिशन कालुगामगे ने इटली के लिए सिर्फ 25 रन देकर 2 विकेट लिए। जवाब में इटली के लिए कोई बल्लेबाज मैच जिताऊ पारी नहीं खेल पाया। वेस्टइंडीज के लिए शमार जोसेफ ने घातक गेंदबाजी करते हुए सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। होप ने 46 गेंदों का सामना

किया और 76 रन बनाए। उनके बल्ले से 6 चौके और 4 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 163.04 की रही। ये उनके टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 11वां अर्धशतक रहा, जिसे उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में पूरा किया। होप ने लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक लगाया। इससे पहले उन्होंने नेपाल के खिलाफ 61* रन की पारी खेली थी। इस खिलाड़ी ने टी–20 विश्व कप में 152.32 की स्ट्राइक रेट से 262 रन बनाए हैं।

जेसन होल्डर अपना 300वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने उतरे। उन्होंने अब तक 69 टेस्ट, 138 वनडे और 93 टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। होल्डर ने टेस्ट में 30.39 की औसत से 162 विकेट लिए हैं, जबकि वनडे में उनके नाम 36.96 की औसत से 159 विकेट दर्ज हैं। टी–20 अंतरराष्ट्रीय में वह 106 विकेट चटका चुके हैं। होल्डर ने बल्ले से भी योगदान दिया है और टेस्ट में 3,073, वनडे में 2,237 तथा टी–20 अंतरराष्ट्रीय में 789 रन बनाए हैं। अकील हुसैन अपना 271वां टी–20 मुकाबला खेलते हुए एक बड़ा मुकाम हासिल किया। उन्होंने टी–20 क्रिकेट में अपने 250 विकेट पूरे कर लिए। अपने करियर में अकील अब तक 5 बार 4 विकेट हॉल और 2 बार 5 विकेट हॉल ले चुके हैं। मैच में उन्होंने 3 ओवर की कसी हुई गेंदबाजी की और 25 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

एक नजर

संवाद कार्यक्रम के दौरान महिलाएं भड़की

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : बजट से पूर्व आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान उस समय महिलाएं भड़क गई जब पौड़ी के पास कंडेरी गांव से आई स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए बुलाए जाने के बावजूद कार्यक्रम स्थल में प्रवेश नहीं दिया गया। महिलाओं का आरोप है कि प्रशासन द्वारा उन्हें स्टेडियम बुलाया गया था, लेकिन वहां पहुंचने पर पुलिस कर्मियों ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। महिलाओं का कहना है कि वे लंबी दूरी तय कर कार्यक्रम में शामिल होने आई थीं, फिर भी न तो उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने दिया गया और न ही स्वागत करने का अवसर मिला।

जिला न्यायालय की बढ़ाई सुरक्षा, अधिकृत व्यक्ति को ही मिलेगा प्रवेश

चमोली : विभिन्न जिलों के न्यायालयों को बम से उड़ाने की धमकी के बाद एहतियातन चमोली पुलिस ने जिला न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी है। अब हर आने-जाने वाले व्यक्ति की निगरानी होगी और बिना वैध पहचान पत्र किसी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। पुलिस और एलआईयू द्वारा कोर्ट आने वालों की स्क्रीनिंग की जाएगी। हाल ही में उत्तराखंड के कई जिलों में न्यायालयों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने पर पुलिस मुख्यालय ने सभी न्यायालय परिसरों में सुरक्षा मजबूत करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में शुक्रवार को एसपी सुरजीत सिंह पंवार पुलिस बल के साथ गोपेश्वर स्थित जिला न्यायालय परिसर पहुंचे। एहतियातन कोर्ट परिसर खाली कराकर गहन तकनीकी निरीक्षण और सर्च अभियान चलाया गया। एसपी ने सुरक्षा के कड़े निर्देश जारी किए। इस दौरान एसपी ने न्यायिक मजिस्ट्रेट लवल कुमार वर्मा, सचिव जिला विधिक प्राधिकरण पुनीत कुमार और न्यायालय कर्मचारियों के साथ सुरक्षा, पार्किंग व अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा की। साथ ही बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भरत सिंह रावत, सचिव संदीप रावत सहित अन्य अधिवक्ताओं के साथ बैठक भी की। सुरजीत सिंह पंवार, एसपी चमोली ने कहा कि न्यायालय और न्यायाधीशों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा ऑडिट किया गया। कोर्ट परिसर में अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। पुलिस हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। (एजेंसी)

न्यायालय परिसर की सुरक्षा के लिए एसपी ने की समीक्षा

रुद्रप्रयाग। न्यायिक परिसरों की सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग निहारिका तोमर की ओर से जनपद के जिला एवं सत्र न्यायालय का औचक निरीक्षण और सुरक्षा ऑडिट किया गया। निरीक्षण के दौरान, पुलिस अधीक्षक ने अधीनस्थ पुलिस बल के साथ न्यायालय परिसर के प्रत्येक संवेदनशील बिंदु का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने माननीय न्यायालय के प्राधिकृत अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं पर भी विचार-विमर्श किया। एसपी ने अधिकारियों से फीडबैक लिया ताकि सुरक्षा घेरे में यदि कोई कमी हो, तो उसे तत्काल दूर किया जा सके। ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को संबोधित करते हुए नीहारिका तोमर ने सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर जीरो नैग्लीजेंस की नीति अपनाई जाए।

एनएसएस शिविर विद्यार्थियों में सेवा भाव का विकास करते हैं

नैनीताल। शहीद श्रीखेमचंद डौर्बी राजकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना का शिविर लगाया गया। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. विनय कुमार विद्यालंकार ने की। छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एनएसएस शिविर विद्यार्थियों को समाज के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। प्रथम सत्र में स्वयंसेवियों ने कॉलेज परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। पौधों की गुड़ाई कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। द्वितीय सत्र में एनएसएस सदस्य डॉ. निर्मला ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कराई। कार्यक्रम अधिकारी ने स्वयंसेवियों को सात दिवसीय विशेष शिविर की जानकारी दी। प्रश्नोत्तरी के निर्णायक मंडल में डॉ. ईप्सिता और डॉ. दीपक रहे। छाया, बबीता, निधि तिवारी, उर्मिला और आरती ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। यहां डॉ. तरुण, डॉ. जयति दीक्षित, बबीता, निधि, उर्मिला, मेघा, अंजलि बोहरा, शीतल बोहरा, ममता बोहरा, नैना, प्रियंका आदि रहीं।

पंजीकरण बंद, शहर में बढ़ रही रेहड़ी ठेलियां

नगर निगम की सुस्त कार्यप्रणाली से बिगड़ रही व्यवस्था, रेहड़ी ठेली के लिए अब तक नहीं हो पाई स्थाई व्यवस्था

कोटद्वार के देवी रोड में बेतरतीब तरीके से सड़क पर खड़ी रेहड़ी-ठेली

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : किसी भी शहर में रेहड़ी-ठेली लगाने से पूर्व नगर निगम में पंजीकरण किया जाता है। जिसके बाद नगर निगम रेहड़ी-ठेली संचालकों को लाइसेंस उपलब्ध करवाता है। लेकिन, कोटद्वार शहर में व्यवस्थाएं बेपटरी हो चली हैं। हालत यह है कि नगर निगम में पिछले दो वर्षों से पंजीकरण की व्यवस्था ठप पड़ी हुई है। नतीजा, शहर में लगातार बढ़ती रेहड़ी-ठेली की संख्या यातायात सहित अन्य व्यवस्था में बाधा बन रही है।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में शायद ही कोई ऐसी सड़क दिखाई दें जहां बेतरतीब तरीके से खड़ी रेहड़ी-ठेली नजर न आए। हाईवे के साथ ही अन्य मार्गों पर खड़ी यह रेहड़ी-ठेली शहर की यातायात व्यवस्था में सबसे अधिक बाधा उत्पन्न कर रही है। बावजूद नगर निगम आज तक रेहड़ी-ठेली के लिए कोई स्थायी व्यवस्था नहीं बना पाया है। स्थिति यह है कि नगर निगम ने पिछले दो वर्षों से रेहड़ी-ठेली का ट्रेड लाइसेंस बनाना भी बंद कर दिया है। ऐसे में बिना शहर में प्रतिदिन रेहड़ी-ठेली की संख्या बढ़ती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक शहर में करीब दो हजार से अधिक रेहड़ी-ठेली गोखले मार्ग, पटेल मार्ग, स्टेशन रोड, देवी रोड, बदरीनाथ मार्ग पर घूमती रहती हैं। जबकि, यही मार्ग शहर के सबसे व्यस्त मार्ग है।

निगम को तहबाजारी का लालच

तहबाजारी के लालच में नगर निगम शहर में लगातार बढ़ती रेहड़ी-ठेली की संख्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। दरअसल, प्रतिदिन नगर निगम शहर से रेहड़ी-ठेली वालों से हजारों की तहबाजारी वसूलता है। ऐसे में जितनी रेहड़ी-ठेली बढ़ेगी नगर निगम को उतरा ही राजस्व मिलेगा। जबकि, इस लापरवाही से शहर की व्यवस्थाएं भी प्रभावित हो रही हैं। शहर में रेहड़ी ठेली वालों के लिए स्थाई व्यवस्था बनाने व इनकी संख्या को सीमित करने के लिए शहरवासी कई बार जनप्रतिनिधि व अधिकारियों से शिकायत भी कर चुके हैं। लेकिन, अब तक समस्या को लेकर गंभीरता नही दिखाई गई।

सुरक्षा को लेकर भी सवाल

शहर में लगातार बढ़ती रेहड़ी-ठेली की संख्या शहर की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर रही है। दरअसल, अधिकांश रेहड़ी-ठेली वाले उत्तर प्रदेश के विभिन्न गांव से आते हैं। ऐसे में यह सुबह शहर में आते हैं और शाम को चले जाते हैं। रेहड़ी-ठेली वालों के बारे में नगर निगम व पुलिस के पास किसी भी तरह की जानकारी नही होती। ऐसे में यदि कोई आपराधिक घटना होती है तो पुलिस के हाथ खली ही रहेंगे। जबकि, पूर्व में गोखले मार्ग में कई बार टप्पेबाजी की घटनाएं भी हो चुकी हैं।

आईजीएल मीटर अपडेट के नाम लाखों की ठगी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत मवाकोट में एक व्यक्ति से आईजीएल मीटर अपडेट के नाम पर साढ़े नौ लाख से अधिक धनराशि ठगने का मामला प्रकाश में आया है। तहरीर के आधार पर पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मामले में पुलिस को दी गई तहरीर में मवाकोट निवासी राजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि पिछले दिनों उन्हें आईजीएल से फोन व मैसेज आया कि वे अपना आईजीएल मीटर अपडेट करवा लें, अन्यथा पैनाल्टी देनी पड़ेगी। तहरीर में कहा गया कि उनकी नोएडा में फ्लैट है, जो कि बंद पड़ा है। उन्होंने आईजीएल की डीटेल अपडेट की, जिसके बाद उनके खाते से 9,58,155 रूपए निकल गए। उन्होंने तत्काल अपना खाता बंद करवा दिया। तहरीर में ठगी गई धनराशि वापस दिलाने की मांग की गई है।

शोषण संबंधी आरोपों में व्यक्ति दोषमुक्त

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने शादी का झांसा देकर एक युवती के शारीरिक शोषण संबंधी मामले में व्यक्ति को दोषमुक्त किया है। युवक बीएसएफ में तैनात है। जिस पर कुछ वर्ष पूर्व एक युवती ने शोषण का आरोप लगाया था।

जुलाई 2024 को कोतवाली में दी गई तहरीर में पीड़िता ने बताया कि 2016 में उसकी मित्रता जनपद बिजनौर के अंतर्गत ग्राम नागल सोती निवासी अंकित से हुई। अंकित बीएसएफ में तैनात था व उसकी तैनाती मिजोरम में थी। बताया कि अंकित ने उससे शादी का वायदा किया और शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया। बताया कि अब अंकित किसी अन्य युवती से विवाह कर रहा है। जब उसने इस बात पर ऐतराज जताया तो अंकित व उसके पिता ने उससे गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दी गई तहरीर के आधार पर अंकित के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया। घटना के बाद अंकित ने न्यायालय से अग्रिम जमानत ले ली। पुलिस की ओर से मामले में सात गवाह प्रस्तुत किए गए। सुनवाई के दौरान युवती की ओर से लगाए गए आरोप साबित नहीं हो पाए। तमाम गवाहों को सुनने के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीना नेगी ने मामले में अंकित को दोषमुक्त करार दिया।

निरंकारी मिशन के प्रोजेक्ट अमृत का चौथा चरण 22 को

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मानव सेवा और लोक कल्याण की भावना को साकार करते हुए संत निरंकारी मिशन द्वारा ह्यप्रोजेक्ट अमृतह्ल के तहत स्वच्छ जल, स्वच्छ मन अभियान के चौथे चरण का शुभारंभ आगामी रविवार 22 फरवरी को देशभर में एक साथ किया जाएगा।

यह अभियान परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के निर्देशानुसार आयोजित हो रहा है।

संत निरंकारी मंडल हल्दूखाता शाखा के मुखी सतेन्द्र सिंह बिष्ट ने बताया कि इसी क्रम में कण्वाश्रम स्थित मालन नदी में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत स्थानीय स्वयं सेवक जल स्रोतों की सफाई कर स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश देंगे। कहा कि यह विशाल अभियान देशभर में 1500 से अधिक जगहों पर एक साथ संचालित होगा, जिससे यह प्रयास ऐतिहासिक स्वरूप ग्रहण करेगा। उन्होंने बताया कि यह पहल जल संरक्षण को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली को संस्कार के रूप में अपनाने की प्रेरणा देती है। नदियां, झीलों, तालाबों, कुओं और झरनों जैसे प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण के लिए समर्पित इस जनआंदोलन के पहले तीन चरणों में व्यापक जनसहभागिता देखने को मिली। अभियान के दौरान गीत-संगीत, सामूहिक गान, जागरूकता संगोष्ठियों और सोशल मीडिया के माध्यम से जलजनित रोगों तथा स्वच्छता के महत्व पर जनचेतना को बढ़ावा दिया जाएगा।

पेयजल निगम कर्मियों ने वेतन की मांग के लिए दिया धरना

चमोली : पेयजल निगम अधिकारी/कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति गोपेश्वर की ओर से शुक्रवार को गोपेश्वर में एक दिवसीय धरना दिया गया। कर्मचारियों ने दो माह से वेतन नहीं मिलने पर कड़ा रोष व्यक्त किया। शुक्रवार को पेयजल निगम गोपेश्वर निर्माण शाखा प्रांगण में कर्मियों ने धरना प्रदर्शन किया। कर्मियों ने कहा कि दो माह से उन्हें वेतन नहीं मिला है। कर्मचारी बिना वेतन के काम कर रहे हैं। विभिन्न सरकारी योजनाओं के महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। उसके बावजूद दो माह से वेतन नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस दौरान अधिशासी अभियंता राजेश सिंह, कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष वीरेंद्र रावत, मजदूर यूनियन संघ अध्यक्ष कमल सिंह, तान सिंह, चंद्रपाल, हरेंद्र सिंह, मेघार, प्रियंका, पवन पुंडीर, विजय सिंह, किशन सिंह, मा देवी, देवेश्वरी देवी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

मार्ग निर्माण के नाम पर सरकार ने जनता को किया गुमराह

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार क्षेत्र में चिलरखाल चैक पोस्ट के समीप काले झंडे लगा धरना-प्रदर्शन करते क्षेत्रीय जन

कोटद्वार : लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग को लेकर धरने पर डटे लोगों ने मार्ग निर्माण के नाम पर सरकार पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। कहा कि न्यायालय में तथ्यों को बेहतर तरीके से नहीं रखा गया। जिससे न्यायालय ने मार्ग पर व्यवसायिक वाहनों के संचालन की स्वीकृति नहीं है। कहा कि सरकार को जल्द से जल्द बेहतर व्यवस्थाएं बनाने पर ध्यान देना चाहिए। जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं होगी।

चिलरखाल वन चौकी के समीप धरना दे रहे लोगों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कहा कि न्यायालय के देश के बाद जनप्रतिनिधि अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। लेकिन, न्यायालय में बेहतर पैरवी नहीं होने के कारण मार्ग निर्माण की स्थिति साफ नहीं हो पाई। सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने अच्छे से पैरवी नहीं की, जिसके चलते सभी कामर्शियल वाहनों पर रोक लगा दी गई है। सरकार ने मात्र 18 गांव की 41500 लोगों के लिए ही बात की, जबकि कोटद्वार विधानसभा से लगने वाले 5 से 6 विधासभाओं में छः से आठ लाख लोग रहते हैं। सरकार ने केवल दो नदियों पर बनने वाले 400 मीटर के पुलों के लिए कहा, जबकि 4.7 किमी. हिस्से में एलिवेटेड की बात नहीं की। आदेश के अनुसार, अब सभी कामर्शियल वाहन उत्तर प्रदेश के रास्ते कोटद्वार आएंगे। कहा कि इसके लिए राज्य सरकार की ओर से उत्तर प्रदेश की सड़क को वैकल्पिक मार्ग बताना सरासर गलत है। कोटद्वार से लेकर चिलरखाल व भूवदेवपुर तक की जनता का अपना कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं है। इस मौके पर प्रवीण थापा, रविंद्र सौंद, जगत सिंह नेगी, कृपाल सिंह गुसाई, गोवर्धन काला, गोविंद काला, गणेश रावत, भागा देवी, विनीता देवी, सीमा देवी, कल्पना जोशी, स्वाति लखेड़ा, शिवांगी, रेखा नेगी आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने गांव में चलाया स्वच्छता अभियान, दिया संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारत सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल के स्वयं सेवियों ने मैंदणी गांव में स्वच्छता अभियान चलाते हुए आमजन को जागरूक किया। कहा कि स्वच्छ व स्वस्थ भारत निर्माण के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। महाविद्यालय की ओर से मैंदणी गांव में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के तीसरे दिन का शुभारंभ कार्यक्रम अधिकारी डा. भारती ने किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को पढ़ाई के साथ समाज सेवा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना चाहिए। एनएसएस हमें बेहतर समाज सेवा से जोड़ने का कार्य करता है। इसलिए शिविर में दी जाने वाले जानकारी को हमें अपने जीवन में अपनाना चाहिए। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को योग के महत्व के बारे में भी बताया गया। कहा कि विद्यार्थियों को प्रतिदिन सूर्योदय से पूर्व उठकर योगाभ्यास करना चाहिए।

गांव में स्वच्छता अभियान चलाते स्वयं सेवी

शिविर के तीसरे दिन विद्यार्थियों ने ग्राम मैंदणी में सफाई अभियान भी चलाया। साथ ही ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया। इस मौके पर राजकुमार, धीरेंद्र सिंह बिष्ट, डा. सूरबीर आदि मौजूद रहे।

मेरी योजना पोर्टल पर योजनाओं की जानकारी अब एक क्लिक पर

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रदेश में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी को आमजन तक सरल, सुलभ और त्वरित रूप में पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री द्वारा मेरी योजना पोर्टल का अनावरण किया गया है। मेरी योजना पोर्टल पर कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग द्वारा तैयार की गई मेरी योजना पुस्तकों में प्रकाशित समस्त योजनाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है। इस पोर्टल का उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं की अद्यतन जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध कराना है, जिससे पात्र लाभार्थी योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें। यह पोर्टल पारदर्शिता, सुशासन एवं डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके माध्यम से नागरिकों को योजनाओं की पात्रता, लाभ, आवेदन प्रक्रिया तथा संबंधित विभागीय जानकारी एक ही स्थान पर प्राप्त होगी। संबंधित सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने स्तर पर ह्यमेरी योजनाह्न पोर्टल का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें तथा अधिक से अधिक नागरिकों को इससे जोड़ने का प्रयास करें।

स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिकी को मजबूत बनाएं ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत एकेश्वर के रिंगवाडी में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि ग्रामीणों को अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आर्थिकी को मजबूत बनाना चाहिए।

शिविर की अध्यक्षता डीआरडीए के परियोजना निदेशक विवेक कुमार उपाध्याय ने की। उन्होंने स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनते हुए विभागीय अधिकारियों को उनके निस्तारण के निर्देश दिए। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, बाल विकास विभाग, वन, राजस्व, आयुर्वेदिक एवं यूनानी, पशुपालन, कृषि, उद्यान सहित कुल 23 विभागों के स्टाल लगाए गए थे। शिविर में कुल 25 शिकायतें दर्ज हुई, जिनमें से अधिकांश का मौके पर निस्तारण किया गया। साथ ही 78 पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर में 518 लोगों ने प्रतिभाग किया। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी सौरभ हांडा, सहायक पशु चिकित्साधिकारी डा. नंदन प्रसाद, एडीओ पंचायत बनेश कुमार, ग्राम विकास अधिकारी बबली आदि मौजूद रहे।

सेब के पेड़ों को हुए नुकसान पर मुआवजा देने की मांग

उत्तरकाशी। मोरी के दूरस्थ गांव दोणी में आयोजित जन-जन की सरकार, जन जन के द्वार कार्यक्रम में ग्रामीणों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराई। ग्रामीणों ने मसरी पीएमजीएसवाई सड़क मार्ग से मलबा आने के कारण सेब के पेड़ों को हुए नुकसान पर मुआवजा देने की मांग रखी।

अधिकारियों ने बताया कि प्रतिकर संबंधी प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है। वहीं ग्रामीणों की मांग पर जिलाधिकारी ने सट्टा गांव में आधार कार्ड, राशन कार्ड और केवाईसी संबंधी कार्यों के लिए 26, 27 और 28 फरवरी को तीन दिवसीय विशेष शिविर आयोजित करने की घोषणा की। शुक्रवार को दोणी गांव में क्षेत्रीय विधायक दुर्गेश्वर लाल की उपस्थिति और डीएम प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में शिविर आयोजित हुआ। शिविर में कुल 67 शिकायतें दर्ज हुई। लोगों ने भीतरी, खन्यासणी एवं सेवा बरी गांवों में शिक्षकों की तैनाती की मांग की। उन्होंने बताया कि मसरी में 49 और बरी में 40 छात्र होने के बावजूद शिक्षक तैनात नहीं हैं। डीएम ने खंड शिक्षाधिकारी को एक मार्च तक शिक्षकविहीन विद्यालयों में तैनाती सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

पेयजल निगम के अधिकारी-कर्मचारियों ने दिया धरना

उत्तरकाशी। पेयजल निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने राजकीय विभाग घोषित करने, वेतन भत्ते भुगतान करने सहित अन्य मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना दिया। साथ ही मांगों का जल्द निस्तारण नही होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। शुक्रवार को पेयजल निगम के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के बैनर तले प्रदर्शन कर धरने में बैठ गए। इस दौरान उन्होने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि वह सरकार से लंबे समय से पेयजल निगम को पूर्ण रूप से राजकीय विभाग घोषित करने, वेतन भत्ते भुगतान करने, राजकीय विभाग बनने तक वेतन और पेंशन का भुगतान सीधे कोषागार के माध्यम से करने, वैकल्पिक रूप से, सेटेज व्यवस्था खत्म कर कार्मिकों के खर्च का एकमुश्त प्रावधान करने ताकि हर माह की एक तारीख को नियमित वेतन देने की मांग कर रहे हैं लेकिन अनदेखी की जा रही है।

सूर्योदय से पूर्व उठकर करें योगाभ्यास

जयन्त प्रतिनिधि।

आयोजित योग शिविर में योगाभ्यास करते साधक

कोटद्वार : मालिनी वैली कॉलेज में आयोजित दस दिवसीय शिविर का समापन हो गया। इस दौरान लोगों को योग के महत्व के बारे में बताया गया। कहा कि हमें सूर्योदय से पूर्व उठकर योगाभ्यास करना चाहिए।

आयोजित शिविर के अंतिम दिन का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल व कॉलेज के अध्यक्ष योगंबर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छ जीवन के लिए योग आवश्यक है। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी जीवन पद्धति है जो हमारे तन, मन और आत्मा को संतुलित रखती है। योग हमें शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है, मानसिक तनाव को दूर करता है। साथ ही हमारे भीतर आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। शिविर में बीएड के विद्यार्थियों को अष्टांग योग के बारे में बताया गया। साथ ही गत सेमेस्टर में सर्वाधिक उपस्थिति देने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि भी दी गई। इस मौके पर जय वीर सिंह रावत, शोभा रावत, सोनिया ध्यानी, सुनीता नेगी, सोनम रावत, डा. रमाकांत कुकरेती, कुलदीप मैंदोला आदि मौजूद रहे।

बाल एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए प्रतिबद्धता पूर्वक करें कार्य : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट में जनपद के अंतर्गत मातृ मृत्यु से संबंधित समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य विभाग योजना की गहन समीक्षा की तथा लक्ष्य के अनुरूप प्रगति बढ़ाने के निर्देश संबंधित चिकित्सकों को दिए। जिलाधिकारी ने जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी गर्भवती महिलाओं का पंजीयन कर प्रसव से पूर्व होने वाली चार एएनसी जांच की जाए। पोर्टल पर शतप्रतिशत एंट्री कर हाई रिस्क पंजीयन एवं प्रबंधन करे। शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं की संस्थागत डिलीवरी सुनिश्चित करें। एएनएम के कार्यों का समय-समय पर औचक निगरानी करें। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभिषेक गुप्ता को जिले में रेफरल मामलों, हाई-रिस्क प्रेगनेंसी और स्वास्थ्य सेवाओं (108 एम्बुलेंस) की गुणवत्ता में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाई-रिस्क गर्भावस्था के मामलों की नियमित जांच और समय पर इलाज सुनिश्चित करें। संसाधनों की उपलब्धता, बेहतर प्रसव देखभाल जरूरतों को जवाबदेही के साथ गम्भीरता पूर्वक लिया जाए साथ ही मातृ-शिशु स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य और बाल विकास विभाग के बीच समन्वय सुनिश्चित करें। वहीं समुदायिक जागरूकता मौत के कारणों का पता लगाकर, गांव स्तर पर जागरूकता बढ़ाने का भी कार्य करें। उन्होंने सीएमओ को सभी चिकित्सालयों में मैनपावर बढ़ाने को भी निर्देशित किया। कहा जहां भी चिकित्सा उपकरणों की आवशयकता है उसका प्रस्ताव बनाकर उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने सीएमओ को निर्देशित किया कि सभी शासकीय अस्पतालों में साफ-सफाई व्यवस्था अच्छी रहे। सभी अस्पताल में चिकित्सक निर्धारित समय अनुसार उपस्थित होकर अपनी सेवाएं नागरिकों को दें। जिन अस्पतालों में चिकित्सक की कमी है वहां अन्य अस्पतालों से चिकित्सकों की ड्यूटी लगाई जाए। बैठक में प्रभारी अधिकारी डॉ. पवन पाल गोपेश्वर, डॉ. हरीश थपलियाल, डॉ. अरुण त्रिपाठी के अलावा अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

तिलोथ में सड़क पर खड़ी स्कूल बसों से लग रहा है जाम

उत्तरकाशी। लंबगांव मोटर मार्ग पर तिलोथ में बसें और बड़े वाहन खड़े होने के कारण वहां पर कई बार जाम की स्थिति बनने से स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों का कहना है कि वहां पर अधिकांश एक निजी विद्यालय की बसें खड़ी होती है जबकि विद्यालय के पास अपनी पार्किंग है। उसके बावजूद सड़क पर वाहन खड़े होने के कारण जाम की स्थिति बन जाती है। स्थानीय निवासी इंद्रेश उनियाल ने कहा कि उत्तरकाशी-लंबगावं मोटर मार्ग जिले का मुख्य संपर्क मार्ग होने के साथ ही चारधाम यात्रा में भी इसके बाईपास व वन वे के रूप में प्रयोग किया जाता है। तिलोथ में सड़क किनारे खड़ी बसों के कारण कई बार वहां पर जाम की स्थिति बन जाती है। क्योंकि सड़क संकरी होने के कारण एक बड़ा वाहन आने पर छोटे वाहनों की आवाजाही भी बंद हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सभी बसें वहां पर स्थित निजी विद्यालय में संचालित की जाती है। स्कूल के पास अपनी पार्किंग होने के बावजूद उनके वाहन खड़े होने के कारण आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उनकी मांग है कि परिवहन विभाग और यातायात पुलिस को इन पर कार्रवाई करनी चाहिए।

उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा : हर्षिल में सबसे कम और नौगांव में सबसे अधिक छात्र देंगे परीक्षा

उत्तरकाशी। जनपद में उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाओं के लिए बने 63 केंद्रों में से सबसे कम छात्र-छात्राएं हर्षिल और सबसे अधिक राजकीय इंटर कॉलेज नौगांव में परीक्षा देंगे। हर्षिल में मात्र 13 छात्र-छात्राएं दसवीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे। इसमें से आठ दसवीं और पांच 12वीं कक्षा की परीक्षा देंगे। साथ ही राजकीय इंटर कॉलेज नौगांव में 485 छात्र-छात्राएं बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे। शिक्षा विभाग की ओर से आज से शुरू होने वाली बोर्ड परीक्षाओं के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। परीक्षा के लिए परीक्षा-पत्र गत बुधवार को ही सभी केंद्रों में भेज दिए गए हैं। इसके साथ जिलाधिकारी के निर्देश पर इस बार परीक्षा केंद्रों में रात्रि में भी सुरक्षा व्यवस्थाओं के लिए पीआरडी के माध्यम से जवान तैनात किए जाएंगे। इसके लिए शिक्षा विभाग की ओर से जिला युवा कल्याण विभाग को पत्राचार किया गया है। साथ ही कुछ केंद्रों में भी आवश्यकतानुसार सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए गए हैं। हालांकि पिछले दो वर्षों से जनपद में संवेदनशील और अतिसंवेदनशील केंद्र नहीं बनाए गए हैं। विभाग का कहना है कि सभी केंद्रों को अब सड़क से जोड़ा गया है। हालांकि कई स्थानों पर कच्ची सड़कें होने के कारण समस्याएं हैं लेकिन वहां पर दूरस्थ गांव के छात्र-छात्राएं परीक्षा तक केंद्र के आसपास ही प्रवास करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

केसरवाला में लाइन शिफ्टिंग कार्य का शुभारंभ

देहरादून। रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ ने केसरवाला में अपनी विधायक निधि से घरों और खेतों के ऊपर से गुजर रही 11 केवी एवं एलटी विद्युत लाइनों को हटाने के कार्य का शुभारंभ किया। विधायक काऊने बताया कि यह महत्वपूर्ण कार्य मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर प्रारंभ हुआ है। यह निर्णय क्षेत्र की जनता की सुरक्षा, सुविधा और भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा कि रायपुर विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता आगे जारी रहेगी।

स्मार्ट मीटर पर जागरूकता बढ़ाने के लिए लगाया शिविर

देहरादून। लोगों में स्मार्ट मीटर पर जागरूकता बढ़ाने को लेकर यूपीसीएल ने शुक्रवार को इसी रोड स्थित यूपीपीसीएल कार्यालय में जागरूकता शिविर का आयोजन किया। जिसमें लोगों को स्मार्ट मीटर से होने वाले फायदे के बारे में बताया गया। उपभोक्ताओं से कहा गया कि स्मार्ट मीटर भविष्य की जरूरत है और तकनीक को अपनाने से उनकी बिजली के बिलों की समस्या का समाधान हो जाएगा। मौके पर विधायक खजानदास समेत यूपीसीएल के अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

श्यामखेत–कुड़ सड़क के डामरीकरण को 7.77 करोड़ स्वीकृत

नैनीताल। रामगढ़ ब्लॉक के श्यामखेत से कुड़ तक मोटर मार्ग के सुधारीकरण और डामरीकरण के लिए 7.77 करोड़ रुपये की मंजूरी मिल गई है। विधायक राम सिंह कैड़ा ने बताया कि इस सड़क का निर्माण पूर्व में राज्य योजना के तहत किया गया था। डामरीकरण न होने से ग्रामीणों को परेशानी होती थी। बरसात में किसानों को अपने उत्पाद हल्द्वानी तक पहुंचाने में दिक्कतें आती थीं। ग्रामीण लगातार मार्ग के सुधारीकरण और डामरीकरण की मांग कर रहे थे। बताया कि उक्त मोटर मार्ग को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई फेज–4)के तहत प्रस्तावित किया था। जिसे अब स्वीकृति मिल गई है। 7.77 करोड़ रुपये की लागत से मार्ग का सुधारीकरण व डामरीकरण किया जाएगा। टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और जल्द निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। शुक्रवार को विधायक कैड़ा ने लोश्ज्ञानी, भलाड़, धारी, कौल, मटियाल, नथुवाखान आदि गांवों का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को फोन पर जरूरी दिशा–निर्देश देते हुए समस्याओं का जल्द समाधान सुनिश्चित करने को कहा।

भवाली में विराट हिन्दू सम्मेलन कल

नैनीताल। संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 22 को पालिका मैदान में हिंदू सम्मेलन होगा। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। यह जानकारी कार्यक्रम संयोजक संजय वर्मा ने दी। संयोजक ने बताया कि विराट हिंदू सम्मेलन, देव भूमि धर्म जागरण समिति करा रही है। जिसका उद्देश्य सामाजिक एकता, सांस्कृतिक चेतना और संगठनात्मक सुदृढ़ता का संदेश जन–जन तक पहुंचाना है। दुगई स्टेट, मल्ली बाजार, निगलाट, मेहरागांव, फरसोली तथा भवाली बाजार आदि में घर–घर जाकर आयोजक लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं। जनसंपर्क अभियान में भावना मेहरा, प्रगति जैन, कैलाश सुयाल, हिमांशु बिष्ट, आशु चंदोला, शुभम कुमार, प्रकाश आर्या, शिवांशु जोशी, कंचन साह और अमित पांडेय, पवन भाकुनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

जागरूकता अभियान के तहत महिलाओं और छात्राओं को दी महत्वपूर्ण जानकारी

अल्मोड़ा। जिले में पुलिस की ओर से चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत सोमेश्वर क्षेत्र में महिलाओं और छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। अभियान के दौरान साइबर अपराध, महिला एवं बाल अपराध और नए आपराधिक कानूनों के बारे में विस्तार से समझाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर यह अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 19 और 20 फरवरी को अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी अल्मोड़ा बलवंत सिंह रावत के पर्यवेक्षण में प्रभारी कोतवाली सोमेश्वर कृष्ण कुमार के नेतृत्व में टीम ने ग्राम घनेली में महिलाओं को जागरूक किया। साथ ही महिला कांस्टेबल दीपा और पुलिस टीम ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लोध सोमेश्वर में छात्राओं और विद्यालय स्टाफ को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने सांस्कृतिक विरासत संरक्षण का दोहराया संकल्प

बीरों देवल में आयोजित मां चंडिका महावन्याथ देवरा यात्रा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हुए शामिल

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनपद रूद्रप्रयाग के विकासखंड अगस्त्यमुनि अंतर्गत ग्राम बीरों देवल में आयोजित मां चंडिका महावन्याथ देवरा यात्रा में शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम मां चंडिका मंदिर पहुंचकर महायज्ञ में भाग लिया तथा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूर्ण विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मां चंडिका का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री के आगमन के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा क्षेत्र में स्टॉल स्थापित कर आमजन को राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा लाभान्वित किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि इस महायज्ञ में सम्मिलित होकर वे स्वयं को अत्यंत सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। उन्होंने मां चंडिका से सभी की कुशलता तथा उत्तराखंड राज्य की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल को धार्मिक एवं आध्यात्मिक संगम का प्रतीक बताते हुए कहा कि 20 वर्षों के बाद आयोजित यह महायज्ञ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि किसी भी देवस्थान पर जाना मात्र संयोग नहीं होता, बल्कि इसे ईश्वरीय आह्वान और आशीर्वाद के रूप में देखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आयोजन में जनसहभागिता को अनुपम उदाहरण बताते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन ही उत्तराखंड की विशिष्ट पहचान हैं। ये आयोजन न केवल समाज में समरसता और एकता को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं और मूल जड़ों से जुड़ने का अवसर भी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल, विधायक रूद्रप्रयाग भरत चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत, उपाध्यक्ष रितु नेगी, ब्लॉक प्रमुख अगस्त्यमुनि भुवनेश्वरी देवी, बीकेटीसी उपाध्यक्ष विजय कप्रवान, महिला आयोग उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, महायज्ञ समिति अध्यक्ष डॉ. आशुतोष भंडारी, महासचिव मदन मोहन डिमरी सहित जिलाधिकारी विशाल मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर, उप वन संरक्षक रजत सुमन, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बसुकेदार तहसील में बनेगा नवीन भवन

मुख्यमंत्री द्वारा मां चंडिका मंदिर प्रांगण एवं मंदिर समूह का पुरातत्व विभाग के माध्यम से पुनर्निर्माण कराने, तहसील बसुकेदार में नवीन तहसील भवन निर्माण की घोषणा की गई। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने लाटा बाबा विद्यालय को इंटरमीडिएट स्तर तक उच्चीकृत किए जाने हेतु परीक्षण कराकर नियमावली के अनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर आशा नौटियाल, विधायक केदारनाथ द्वारा क्षेत्र की विभिन्न मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री को पत्र भी सौंपा गया। मुख्यमंत्री ने उक्त मांगों पर परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

20 वर्षों बाद आयोजित हो रही है दिवारा यात्रा

मां चंडिका की दिवारा यात्रा 21 नवम्बर 2025 से प्रारंभ होकर लगभग 26 गांवों के भ्रमण पर रही। यह यात्रा 20 वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित की जा रही है। यात्रा के दौरान वीरों देवल, संगूड़, नैणी पौण्डार, क्वार्क बरसूड़ी, पाली, बष्ठी, डुंगर, बड़ेथ, पाटियू, भटवाड़ी, जोला, उच्छेला, मथ्यागांव, बक्सीर, भुनालगांव, डांगी, खोड, स्यूर, डडोली, खाटली किमाणा, दानकोट, कौशलपुर, अरखण्ड, डालसिंगी, हाट, नैली कुंड, रयांसू सहित विभिन्न गांवों का भ्रमण किया गया।

पेयजल निगम के कर्मचारियों का नियमित वेतन को लेकर धरना प्रदर्शन

देहरादून। पेयजल निगम मुख्यालय मोहनी रोड में शुक्रवार को कर्मचारियों ने पेंशन नियमितीकरण समय पर वेतन जारी करने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन का आयोजन किया। कर्मचारी नेता विजय खाली का कहना था कि निगम प्रबंधन कर्मचारियों के साथ अन्याय कर रहा है। लंबे समय तक उनके वेतन को रोका जाता है। जिससे उनके सामने आर्थिक परेशानियां खड़ी हो रही है।

मेलाधिकारी ने कुंभ मेला को लेकर हरिद्वार रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरिद्वार। आगामी वर्ष हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुम्भ मेले के दृष्टिगत देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुचारु आवागमन सुनिश्चित करने हेतु मेला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। कुम्भ मेले के दौरान रेल मार्ग से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए हरिद्वार सहित अन्य निकटवर्ती रेलवे स्टेशनों पर आवश्यक अतिरिक्त सुविधाएं एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की जमीनी कवायद तेज कर दी गई है। इसी क्रम में मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने शुक्रवार को मेला प्रशासन एवं रेलवे अधिकारियों के साथ हरिद्वार रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा कुम्भ मेले के दृष्टिगत रेलवे द्वारा प्रस्तावित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप आगामी कुम्भ मेले को दिव्य एवं भव्य स्वरूप प्रदान करने हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर सभी संबंधित विभागों एवं संगठनों को सौंपे गए कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कुम्भ मेले से संबंधित स्थायी प्रकृति के अधिकांश कार्यों को राज्य सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। हरिद्वार रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने कहा कि यह स्टेशन श्रद्धालुओं के आगमन का प्रमुख केंद्र है, अतः यहां की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुचारु होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने श्रद्धालुओं के ठहराव स्थल, प्रवेश एवं निकास मार्ग, प्रतीक्षा क्षेत्र तथा मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा प्रबंधन एवं यातायात संचालन की कार्ययोजना की निरंतर समीक्षा कर इसे त्रुटिहीन बनाया जाए तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दें। निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कुम्भ अवधि में ट्रेनों की समयबद्धता सुनिश्चित की जाए तथा आवश्यकता अनुसार विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाए। प्लेटफॉर्म एवं स्टेशन परिसर में भीड़ नियंत्रण, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, शौचालयों की नियमित सफाई तथा प्रतीक्षालयों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने आगमन एवं प्रस्थान मार्गों के सुव्यवस्थित प्रबंधन, स्टेशन पर पर्याप्त होल्डिंग एरिया की व्यवस्था, टिकट काउंटरों की संख्या में आवश्यकतानुसार वृद्धि, हेल्पडेस्क के प्रभावी संचालन तथा उद्घोषणा प्रणाली को सुदृढ़ बनाए रखने पर बल दिया। मेलाधिकारी ने दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों एवं महिला यात्रियों की सुविधा हेतु विशेष सहायता काउंटर स्थापित करने के निर्देश दिए।

सुरक्षा व्यवस्था के अंतर्गत जीआरपी एवं आरपीएफ के साथ समन्वय स्थापित कर अतिरिक्त सुरक्षा बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों की सतत निगरानी तथा आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की गई। उन्होंने हरिद्वार के निकटवर्ती मोतीचूर, ज्वालापुर एवं रायवाला रेलवे स्टेशनों को भी सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इस संबंध में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया जाएगा।

इस अवसर पर हरिद्वार रेलवे स्टेशन अधीक्षक श्री दिनेश कुमार ने अवगत कराया कि कुम्भ मेले के दृष्टिगत स्टेशन के सुदृढ़ीकरण के लिए विभिन्न कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं। भीड़ प्रबंधन हेतु हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर दस हजार यात्रियों की क्षमता का होल्डिंग एरिया बनाए जाने की योजना है। इस दौरान अपर मेलाधिकारी श्री दयानंद सरस्वती सहित मेला प्रशासन, रेलवे एवं जीआरपी के अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के क्रम में मेलाधिकारी एवं अपर मेलाधिकारी ने लालजीवाला क्षेत्र, भीमगोड़ा बैराज तथा रोड़ी बेलवाला–खड्डा पार्किंग स्थल का भी निरीक्षण कर कुम्भ मेले की तैयारियों की पड़ताल की।

मसूरी को शीघ्र ही 40 अतिरिक्त गोल्फकार्ट मिलेंगे, जल्द होगा एमओयू

– रिक्शा चालकों की आय में वृद्धि, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों व पर्यटकों को आधुनिक आवागमन सुविधा

देहरादून। पर्यटन नगरी मसूरी को शीघ्र ही 40 अतिरिक्त गोल्फकार्ट की सुविधा प्राप्त होगी। जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल के लिए सभी तैयारिया पूर्ण कर ली है। इस संबंध में आरईसी (रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कार्पोरेशन लिमिटेड) भारत सरकार के सहयोग से गोल्फकार्ट उपलब्ध कराए जाएंगे।

आरईसी के प्रबंध निदेशक एवं अपर सचिव, भारत सरकार जल्द एमओयू पर हस्ताक्षर करेंगे। डीएम सविन बंसल ने शुक्रवार को बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य मसूरी में बढ़ते यातायात दबाव को कम करना, पर्यटकों एवं स्थानीय नागरिकों को सुगम, सुरक्षित एवं पर्यावरण–अनुकूल परिवहन उपलब्ध कराना है। साथ ही पारंपरिक रिक्शा चालकों को बेहतर आय के अवसर प्रदान करना है। मसूरी में अतिरिक्त गोल्फकार्ट संचालित होने से माल रोड एवं कैमलबैक रोड पर जाम की समस्या में कमी आएगी। प्रदूषण–मुक्त परिवहन को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय रिक्शा चालकों की आर्थिकी में वृद्धि होगी। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं पर्यटकों को आरामदायक आवागमन सुविधा मिलेगी। पर्यटन अनुभव अधिक सुव्यवस्थित एवं आकर्षक बनेगा। बताया कि सभी संबंधित विभागों को गोल्फकार्ट संचालन को आवश्यक व्यवस्थाएं, मार्ग निर्धारण, पार्किंग स्थल, चार्जिंग व्यवस्था, सुरक्षा मानक एवं संचालन प्रणाली–समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन द्वारा गोल्फकार्ट के लिए आरईसी (रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कार्पोरेशन लिमिटेड) भारत सरकार के अधिकारियों से चर्चा कर अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर सीएसआर फंड से धनराशि की मांग की थी। आरईसी से 3.36 करोड़ धनराशि सीएसआर फंड से दी जाएगी। – मसूरी में 14 गोल्फकार्ट हैं जिला प्रशासन के प्रयासों से दिसंबर 2024 को मसूरी को सुगम सुविधा एवं जाम से निजात दिलाने के लिए गोल्फकार्ट का शुभारम्भ किया गया था स्थानीय रिक्शा चालकों को गोल्फ कार्ट चलाने को कंपनी के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। मसूरी में प्रथम चरण में 4 गोल्फ कार्ट चलाए गए थे, वर्तमान में जिनकी संख्या 14 है।

दुधली–देहरादून रोड चौड़ीकरण से क्षेत्रवासी परेशान

देहरादून। डोईवाला में दुधली–देहरादून रोड चौड़ीकरण का कार्य क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। कार्य की सुस्त रफ्तार और विभागों के बीच आपसी समन्वय की कमी के कारण स्थानीय जनता को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सड़क निर्माण के दौरान पेयजल निगम की लाइनें जगह–जगह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

मरम्मत न होने के कारण ग्रामीण गंदा और दूषित पानी पीने को मजबूर हैं, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। सड़क चौड़ीकरण शुरू होने के बावजूद विद्युत विभाग ने अभी तक बिजली के पोल शिफ्ट नहीं किए हैं। ये पोल अब सड़क के बीचों–बीच या बेहद खतरनाक स्थिति में आ गए हैं।

गुलदार की खाल के साथ अधेड़ दबोचा

चम्पावत। चम्पावत गुलदार की खाल संग एक अधेड़ दबोचा है। आरोपी पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसओजी, पुलिस और वन विभाग की टीम ने ये कार्रवाई की है।

खटोली निवासी आरोपी खाल बेचने टनकपुर जा रहा था। एसओजी, चल्थी पुलिस और वन विभाग की टीम ने गुलदार की खाल के साथ एक अधेड़ को हिरासत में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार बीते गुरुवार को चेकिंग के दौरान संयुक्त टीम ने चल्थी में 43 वर्षीय ईश्वर राम उर्फ दीपक निवासी तल्ली खटोली, चम्पावत के पास गुलदार की एक खाल बरामद की। बरामद खाल की लंबाई 162 सेमी है। बूम रेंज के रेंजर गुलजार हुसैन ने आरोपी से पूछताछ के आधार पर बताया कि ईश्वर राम को करीब दो साल पूर्व जंगल में मृत गुलदार मिला था। जिसके बाद ईश्वर राम और उसके चचेरे भाई चंदन राम ने गुलदार की खाल उतार ली थी। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह खाल बेचने टनकपुर जा रहा था। रेंजर ने बताया कि आरोपी के खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम में मामला दर्ज करने के साथ जांच शुरू कर दी है। टीम में एसओजी प्रभारी कमलेश भट्ट, एसआई राकेश कठायत, हेड कांस्टेबल ललित श्रीवास्तव, तपेंद्र जोशी, ललित चौधरी, राजुमार, सूरज कुमार, उमेश राम, नासिर हुसैन, कमल नाथ गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

चंद्रावती एनएसएस के सात दिवसीय शिविर का समापन

काशीपुर। चंद्रावती तिवारी कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के सातवें दिन लाइव सेट एप्लीकेशन के फाउंडर अमृतेश पार्थ ने ह्यलाइव सेटह्न विषय पर कार्यशाला की। इस विषय के तहत स्वयंसेवियों को ऐप डाउनलोड एवं रजिस्ट्रेशन, प्लेसमेंट, सोशल मीडिया, इवेंट, अलर्ट सिस्टम, इंटर्नशिप आदि की जानकारी दी गई। शिविर का समापन मुख्य अतिथि हाइटेक हॉस्पिटल के मानिसक रोग विशेषज्ञ डॉ. सिद्धांत माथुर ने किया। शिविर समापन पर स्वयंसेवियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सिद्धांत माथुर ने मोटिवेशनल टॉक के माध्यम से स्वयंसेवियों को टीम वर्क, एकाग्रता, ध्यान भंग होने के कारण, मानसिक तनाव के कारणों एवं उनके समाधान की जानकारी दी। यहां प्राचार्या डॉ. कीर्ति पंत, मंच संचालक डॉ. वंदना सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दीपिका गुडि़या आत्रेय, डॉ. रमा अरोरा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गीता मेहरा, डॉ. रंजना, डॉ. मंगला, डॉ. ज्योति रावत, शीतल अरोरा, प्राची धौलाखड़ी, सृष्टि सिंह रहे।

चनौदा में बहुउद्देशीय शिविर, 273 लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ

अल्मोड़ा। 'जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार' कार्यक्रम के तहत विकासखंड ताकुला की न्याय पंचायत चनौदा में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और मौके पर उनका समाधान करते हुए उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा लाभ प्रदान किया। खंड विकास अधिकारी केशर सिंह बिष्ट ने बताया कि शिविर के दौरान कुल 273 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इसके अलावा 212 लोगों के प्रमाण पत्रों से जुड़े आवेदन पत्र भी भरवाए गए। खाद्य विभाग की ओर से 55 बीपीएल प्रमाण पत्र बनाए गए। अधिकारियों ने ग्रामीणों से सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न विभागों के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

दून एसएसपी ने पुलिसवालो संग लगाई दौड़

देहरादून। दून एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने पुलिस लाइन में परेड के निरीक्षण के दौरान पुलिसवालों संग दौड़ लगाई। उन्होंने पुलिसकर्मियों व अधिकारियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने पुलिस मैस और क्वार्टर गार्द में गंदगी होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने अभिलेख अधूरे होने भी पुलिसकर्मियों को फटकार लगाई। शुक्रवार को एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने पुलिस लाइन में आयोजित परेड का निरीक्षण किया। परेड के दौरान एसएसपी डोबाल ने अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ दौड़ लगाई। परेड समाप्ति के बाद एसएसपी डोबाल ने पुलिस लाइन का भ्रमण किया। उन्होंने क्वार्टर गार्द के निरीक्षण में बैरक में सफाई व्यवस्था सही न मिलने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखने को गार्द कमांडर व पुलिस कर्मियों को सख्त हिदायत दी। कहा कि अनुशासन के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जायेगा। परिवहन शाखा के निरीक्षण के दौरान एसएसपी दून द्वारा वाहनों की लाग बुक एवं रनिंग रजिस्टरों को चेक किया जिसमें रजिस्टर अपडेट नहीं मिले। पुलिस लाइन स्थित रिक्रूट टेर्जनिंग सेंटर के निरीक्षण के दौरान बैरिकों व मैस में सफाई व्यवस्था पर असंतोष जाहिर किया। एसएसपी ने मैस सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने तथा मैस में रिक्रूट आरक्षियों के लिये भोजन की गुणवत्ता को उच्च कोटी की रखने की बात कही।

फुटपाथ से चोरी हुई बच्ची 4 घंटे में बरामद, आरोपित की तलाश जारी

हरिद्वार। तुलसी चौक स्थित फुटपाथ से दो वर्ष की बच्ची के चोरी होने के मामले में हरिद्वार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज चार घंटे के भीतर बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया।

घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी के निर्देश पर सिटी कोतवाली पुलिस, एएचटीयू और सीआइयू की पांच संयुक्त टीमें गठित कर बच्ची की तलाश शुरू की गई। साथ ही जिले के संवेदनशील स्थानों, सीमावर्ती क्षेत्रों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध गतिविधियों को लेकर अलर्ट जारी किया गया। मैन्युअल पुलिसिंग और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर लगातार अभियान चलाते हुए पुलिस टीम ने चोरी हुई बच्ची को ऋषिकुल चौक बस स्टॉप के पास लावारिस हालत में बरामद कर लिया। पुलिस अब तक जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

विश्व को दिशा देता है सनातन : साध्वी

नैनीताल। मां नैना देवी विराट हिंदू सम्मेलन समिति ने शुक्रवार को डीएसए मैदान में हिंदू सम्मेलन कराया। मुख्य वक्ता साध्वी प्राची ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को अनुशासन और देशभक्ति की मिशाल बताया।

कहा कि राजनीति समाज को तोड़ने का काम करती है, जबकि सनातन पूरे विश्व को दिशा देता है।ह्न सम्मेलन में साध्वी ने कहा कि आरएसएस युवा हो चुका है और वर्तमान में घर–घर तक पहुंच रहा है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, देश से अनुच्छेद 370 हटाकर कश्मीर को बचाने और बुर्का पहनने वाली बहनों को सम्मान दिलाने का श्रेय उन्होंने संघ को दिया। साध्वी ने कहा कि गद्दारों का भारत में कोई स्थान नहीं है। जो देश से गद्दारी करेगा, उसे देश छोड़ना होगा।

बाजपुर और सितारगंज में आईसीटीसी सेंटर के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

रुद्रपुर। उधमसिंह नगर में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को डी–सीआरजी (एचआईवी–एड्स) कार्यक्रम की बैठक हुई। बैठक में एचआईवी–एड्स कार्यक्रम के तहत संचालित गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई और बाजपुर और सितारगंज में आईसीटीसी सेंटर के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। सीडीओ दिवेश शाशनी ने उच्च जोखिम समूह से आए सामुदायिक प्रतिनिधियों के साथ संवाद करते हुए उनके समुदाय के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों व भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने समुदाय आधारित हस्तक्षेपों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। बैठक में जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी व जिला नोडल अधिकारी (एचआईवी–एड्स) कार्यक्रम ने एचआईवी जांच सेवाओं, परामर्श सुविधाओं व एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) दवाओं की उपलब्धता की जानकारी दी। सीडीओ के ओर से बाजपुर व सितारगंज में आईसीटीसी सेंटर खोले जाने को लेकर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए और उच्च जोखिम समुदायों को आजीविका से जोड़ने के लिए क्षमता वर्धन कार्यक्रम संचालित करने पर भी बल दिया गया। बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरेन्द्र मलिक, डॉ. श्वेता दीक्षित (क्लस्टर कार्यक्रम प्रबंधक), डॉ. जयंत नंद जोशी (क्लिनिकल सर्विस ऑफिसर), आराधना श्रीवास्तव (डाटा व डॉक्यूमेंटेशन ऑफिसर), कृष्णा, आशा, पिंकी, ललित पंत व मुकेश सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com